CNews सिटी चीफ

वर्ष-16, अंक-21
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

जो व्यक्ति कभी हार नहीं मानता, वही सफलता का स्वाद चखता है

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सिटी चीफ

इंदौर, रविवार 27 अप्रैल 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

पहलगाम आतंकी हमले के बाद बड़ा एक्शन!

गुजरात में एक रात में 1000 अवैध बांग्लादेशी हिरासत में

अहमदाबाद। पहलगाम आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार के निर्देश पर अवैध अप्रवासियों पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। गुजरात में एक हजार से अधिक बांग्लादेशी अवैध अप्रवासियों को हिरासत में लिया गया है। राज्य के गृह मंत्री हर्ष सांघवी ने बताया कि सूरत और अहमदाबाद में तलाशी अभियान के दौरान अवैध अप्रवासियों को हिरासत में लिया गया। इनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। इनके प्रत्यर्पण के प्रयास जारी हैं। गृह मंत्री ने इसे गुजरात पुलिस की सबसे बड़ी कार्रवाई बताते हुए कहा कि अहमदाबाद में कम से कम 890 तथा सूरत में 134 अवैध बांग्लादेशी अप्रवासियों को हिरासत में लिया गया। उन्होंने अवैध अप्रवासियों को चेतावनी दी कि वे अपनी इच्छा से पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दें अन्यथा उन्हें पकड़ लिया जाएगा और निर्वासित कर दिया जाएगा। उन्होंने अप्रवासियों को आश्रय देने वाले लोगों को भी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी। राज्य के गृह मंत्री हर्ष सांघवी ने बताया कि सूरत और अहमदाबाद में तलाशी अभियान के दौरान अवैध अप्रवासियों को हिरासत में लिया गया। इनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। इनके प्रत्यर्पण के प्रयास जारी हैं।

एक रात में इतनी बड़ी कार्रवाई पहली बार गुजरात पुलिस की टीमों ने अहमदाबाद और सूरत शहर के अलग अलग इलाकों में देर रात सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान अवैध रूप से गुजरात में रह रहे बांग्लादेशियों को चुन-चुनकर घरों से निकाला। बांग्लादेशियों के खिलाफ एक रात में हुई यह कार्रवाई, अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई होने का दावा किया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि इन घुसपैठी बांग्लादेशियों के पास बोगस दस्तावेज बरामद हुए हैं।

सूरत के इन इलाकों में हुआ सर्च अभियान सूरत पुलिस ने उन, सचिन, लिंबायत, लालगेट और सलाबतपुरा जैसे इलाकों में तलाशी अभियान चलाया था। पुलिस अब इन बांग्लादेशी पुरुषों को वापस उनके देश भेजने की तैयारी कर रही है। महिलाओं और बच्चों के साथ क्या करना है, इस पर विचार किया जा रहा है।

सुबह 3 बजे से हुई कार्रवाई अहमदाबाद में पुलिस ने चंडोला तालाब के आसपास की झुग्गी-झोपड़ियों में ऑपरेशन चलाया। अधिकारियों ने बताया कि अहमदाबाद में सुबह 3 बजे से एक्शन शुरू हुआ। इसमें अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने एसओजी, ईओडब्ल्यू, जोन 6 और मुख्यालय की टीमों के साथ मिलकर अहमदाबाद शहर में अवैध रूप से रह रहे विदेशी प्रवासियों को पकड़ने के लिए एक तलाशी अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान 457 से अधिक संदिग्ध प्रवासियों को हिरासत में लिया गया है। पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के बाद सरकार सख्त कदम उठा रही है। भारत में

आए पाकिस्तानियों को वापस भेजा जा रहा है। साथ ही, बांग्लादेशियों के खिलाफ भी कार्रवाई तेज कर दी गई है।

दो बांग्लादेशी निकले अलकायदा के स्लीपर सेल गृह मंत्री हर्ष सांघवी ने कहा कि अप्रवासियों ने गुजरात आने से पहले भारत के विभिन्न हिस्सों में रहने के लिए पश्चिम बंगाल से प्राप्त फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल किया। इनमें से कई लोग मादक पदार्थ तस्करी और मानव तस्करी में संलिप्त हैं। हाल ही में गिरफ्तार किए गए चार बांग्लादेशियों में से दो अलकायदा के स्लीपर सेल में काम करते थे। इन बांग्लादेशियों की पृष्ठभूमि और गुजरात में उनकी गतिविधियों की जांच की जाएगी। इनके निर्वासन की सभी प्रक्रियाएं यथाशीघ्र पूरी करने के लिए व्यवस्था की गई है।

फर्जी दस्तावेजों की जांच सांघवी गृह मंत्री ने कहा कि हम उन फर्जी दस्तावेजों की भी जांच करेंगे जिनका इस्तेमाल उन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों और गुजरात तक पहुंचने के लिए किया और फर्जी दस्तावेज बनाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पुलिस को गुजरात भर में अवैध अप्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं और सुरक्षा पर कैबिनेट समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार पाकिस्तानी नागरिकों को गुजरात छोड़ने का स्पष्ट आदेश दिया गया है। मंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल को इस बात का सबूत दिया जाएगा कि बंदियों ने राज्य में कैसे फर्जी दस्तावेज बनवाए?गृह मंत्री ने इसे गुजरात पुलिस की सबसे बड़ी कार्रवाई बताते हुए कहा कि अहमदाबाद में कम से कम 890 तथा सूरत में 134 अवैध बांग्लादेशी अप्रवासियों को हिरासत में लिया गया। उन्होंने अवैध अप्रवासियों को चेतावनी दी कि वे अपनी इच्छा से पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दें अन्यथा उन्हें पकड़ लिया जाएगा और निर्वासित कर दिया जाएगा। उन्होंने अप्रवासियों को आश्रय देने वाले लोगों को भी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी।

निर्वासन किया जाएगा-डीजीपी गुजरात के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) विकास सहाय ने कहा कि हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ की जा रही है तथा दस्तावेजी और अन्य साक्ष्यों के आधार पर उनकी राष्ट्रीयता का पता लगाया जा रहा है। जब यह तय हो जाएगा कि वे बांग्लादेशी नागरिक हैं, तो केंद्र सरकार और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के समन्वय से उनके निर्वासन की प्रक्रिया यथाशीघ्र पूरी की जाएगी। सभी राज्यों में कार्रवाई के निर्देश केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भी सभी राज्यों को निर्देश दिए हैं कि पाकिस्तान के लोगों की पहचान कर उन्हें देश से निकालने के लिए जरूरी कार्रवाई की जाए। अगर कोई पाकिस्तानी नागरिक सरकार के निर्देशों का उल्लंघन करते हुए निर्धारित समय से अधिक समय भारत में रुकता है तो उसके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव आज

इंदौर में जुटेंगी दुनिया की टॉप एनिमेशन कंपनियां, युवाओं को मिलेगा बड़ा मौका

इंदौर। शहर में होने वाली एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव के लिए एनिमेशन इंडस्ट्री के दिग्गजों को बेसब्री से इंतजार है। 27 अप्रैल को ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में होने वाले इस आयोजन में दुनियाभर की सौ से अधिक एनिमेशन कंपनियां शिरकत करेंगी। इंदौर को टेक्नोलाजी में नंबर वन बनाने के लिए आयोजित हो रही इस कॉन्क्लेव में सिर्फ एनिमेशन इंडस्ट्री के लिए ही 500 करोड़ रुपए से अधिक के प्रस्ताव आने की संभावना है।

यह बड़ी घोषणाएं होंगी

1. मप्र में आने वाली एनिमेशन कंपनियों को अलग अलग योजनाओं में 30 प्रतिशत तक की सब्सिडी दी जाएगी।
2. बजट पर आधारित कई योजनाओं के अंतर्गत कंपनियों को टैक्स में बड़ी छूट दी जाएगी।
3. मप्र के युवाओं को अवसर देने वाली कंपनियों को विशेष पैकेज दिए जाएंगे।
4. मप्र के फाइन आर्ट्स कालेजों में टेक्नोलाजी लैब बनेंगी।
5. प्रदेश के होनहार छात्रों को पढ़ने का खर्च सरकार उठाएगी।
6. सेंट्रल एक्सीलेंस सिस्टम के तहत छात्रों को उच्च शिक्षा से जोड़ा जाएगा।

युवाओं को मप्र में ही मिलेंगे बेहतर अवसर क्रेजी कब एनिमेशन स्टूडियो के सीईओ कमल पाहूजा ने बताया कि मप्र का टैलेंट नौकरी के लिए दुनियाभर में जा रहा है। यदि सरकार यहां पर बेहतर सुविधाएं देगी तो यहां का टैलेंट यहीं पर रहेगा और दुनियाभर के लिए काम करेगा। इसी सोच के साथ नई नीतियां बनाई जा रही हैं। हमें उम्मीद है इस कॉन्क्लेव से प्रदेश की एनिमेशन इंडस्ट्री को तुरंत गति मिलेगी। दुनियाभर की कंपनियां यहां आना चाहती हैं

असिफा इंडिया के प्रेसिडेंट संजय खिमेसरा ने बताया कि टियर 2 सिटी में ग्रोथ की सबसे ज्यादा संभावना हैं। यहां पर कास्ट आफ आपरेशन बहुत कम है, इसलिए सभी बड़ी कंपनियां यहां पर आना चाहती हैं। यहां के टैलेंटेड युवाओं की दुनियाभर में डिमांड है। इसके बाद समय टियर 2 सिटीज का ही है। नई नीतियों से दुनिया की बड़ी कंपनियां भी यहां आकर काम करेंगी।

एनिमेशन इंडस्ट्री के लिए अलग से नीतियां बनाई गई हैं मध्य प्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम (एमपीएसईडीसी) इंदौर के स्टॉफ महाप्रबंधक एवं नोडल अधिकारी द्वारकेश कुमार सराफ ने बताया कि कॉन्क्लेव में दुनिया की शीर्ष कंपनियां यहां आएंगी। सरकार का पूरा फोकस रोजगार और निवेश पर है। इसी को ध्यान में रखते हुए अलग से पालिसी बनाई गई है। एनिमेशन इंडस्ट्री के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं, जिसका लाभ कंपनियों को मिलेगा और रोजगार बढ़ेंगे।

दिग्विजय के भाई और पूर्व विधायक लक्ष्मण सिंह बोले-

नासमझ हैं राहुल गांधी और रॉबर्ट वाड्रा; उमर अब्दुल्ला की आतंकियों से सांठगांठ

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह के भाई और पूर्व विधायक लक्ष्मण सिंह ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद अपनी ही पार्टी के नेतृत्व पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और रॉबर्ट वाड्रा को नासमझ करार देते हुए कहा कि अगर इन बयानों के कारण पार्टी से निष्कासित भी कर दिया जाए, तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं होगी, क्योंकि उनके लिए देश की सुरक्षा सर्वोपरि है। राघोगढ़ में आयोजित एक श्रद्धांजलि सभा के दौरान लक्ष्मण सिंह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की आतंकवादियों के साथ साठगांठ हो सकती है। उन्होंने कांग्रेस से मांग की कि वह नेशनल कॉन्फ्रेंस को दी जा रही समर्थन तत्काल वापस ले। उन्होंने कहा, मैं इस मुद्दे पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र लिखने जा रहा हूं। **राहुल और वाड्रा पर सीधा हमला** लक्ष्मण सिंह ने रॉबर्ट वाड्रा के उस बयान को भी खतरनाक बताया जिसमें वाड्रा ने कहा था कि आतंकी इसलिए हमले कर रहे हैं क्योंकि मुसलमानों को सड़क पर नमाज पढ़ने नहीं दी जाती। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, यह बयान गैर-जिम्मेदाराना ही नहीं, बल्कि देश की सुरक्षा के लिए खतरा है। कांग्रेस को बोलने से पहले दस बार सोचना चाहिए, नहीं तो जनता चुनाव में जवाब दे देगी। उन्होंने आगे कहा, राहुल गांधी और रॉबर्ट वाड्रा दोनों नासमझ हैं। देश को इनकी नासमझी का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। लक्ष्मण सिंह की इस बेबाक टिप्पणी से राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है। उनकी कांग्रेस में स्थिति को लेकर भी अटकलें तेज हो गई हैं। आपको बता दें कि लक्ष्मण सिंह पहले बीजेपी में भी रह चुके हैं

जबलपुर हाईकोर्ट ने दिए निर्देश

घोषित समय सारिणी के अनुसार ही हो नर्सिंग परीक्षा, हाईकोर्ट का निर्देश

जबलपुर। प्रदेश में नर्सिंग कॉलेजों में फर्जीवाड़े को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने नर्सिंग परीक्षाओं को घोषित समय सारिणी के अनुसार ही आयोजित करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति संजय द्विवेदी एवं न्यायमूर्ति ए.के. पालीवाल की युगलपीठ ने स्पष्ट किया कि परीक्षा तिथियों में किसी भी प्रकार का परिवर्तन नहीं किया जाए। याचिका लॉ स्टूडेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विशाल बघेल की ओर से दायर की गई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि प्रदेश में कई नर्सिंग कॉलेज नियमों को ताक पर रखकर संचालित हो रहे हैं। कोर्ट को बताया गया कि कॉलेजों की जांच प्रक्रिया के चलते पिछले कुछ वर्षों में परीक्षाएं लगातार टलती रही हैं और कई बार घोषित तारीखों को रद्द या संशोधित भी किया गया है, जिससे विद्यार्थियों को भारी असुविधा हुई है। उल्लेखनीय है कि घोषित कार्यक्रम के अनुसार नर्सिंग परीक्षाएं 28 और 29 अप्रैल को आयोजित की जानी हैं। हाईकोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि पात्र कॉलेजों के छात्रों के लिए विशेष परीक्षा आयोजन के मुद्दे पर न्यायालय आगे सुनवाई करेगा।

हाई लेवल कमेटी की भूमिका समाप्त हाईकोर्ट ने पहले सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति राजेन्द्र कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति गठित की थी, जिसका उद्देश्य सीबीआई जांच में दोषी पाए गए कॉलेजों की कमियों की सुनवाई कर उन्हें %सूटेबल% अथवा अनसूटेबल की श्रेणी में सूचीबद्ध करना था। अब कोर्ट ने इस कमेटी की भूमिका समाप्त कर दी है। मध्यप्रदेश नर्सिंग काउंसिल ने नए सत्र की मान्यता प्रक्रिया शुरू कर दी है। सभी कॉलेजों को अब विधिवत आवेदन प्रस्तुत कर मान्यता के लिए पुन: प्रक्रिया से गुजरना होगा, जिस पर आवश्यक जांच के बाद निर्णय लिया जाएगा। याचिका की सुनवाई के दौरान शासन की ओर से उप महाधिवक्ता अभिजीत अवस्थी, याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता आलोक बागरेचा और विशाल बघेल ने पक्ष रखा। अगली सुनवाई 9 मई को निर्धारित की गई है।

आश्चर्यजनक...कमल की पंखुड़ियों पर बना जहाज मंदिर

मंदसौर। देशभर में आपने कई मंदिरों को देखा होगा, लेकिन मंदसौर जिले के सीतामऊ में प्रदेश का पहला जहाज आकार का जैन मंदिर बनाया गया है। राजस्थान के 20 कारीगरों की देखरेख में इस जहाज मंदिर को 17 साल में तैयार किया गया है। सैकड़ों मजदूरों ने लंबे समय यहां पर कार्य करके इसे जहाज की आकृति दी है। जिसके दर्शन करने के लिए दूर दूर से भक्त पहुंच रहे है। मंदिर ट्रस्ट का कहना है कि जहाज मंदिर को कमल के फूल पर बनाया गया है। मध्यप्रदेश के इस भव्य जहाज मंदिर के दर्शन करने देशभर से धर्मालुजन आ रहे हैं। आने वाले समय में यह मंदिर जैन तीर्थ के रूप में उभरेगा। मंदसौर जिले के छोटी काशी कही जाने वाली सीतामऊ के ग्राम लदूना रोड पर श्री सिद्धाचल धाम जहाज मंदिर का निर्माण करीब 2008 में प्रारंभ हुआ था। मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष पारसमल भंडारी, सचिव डॉ. अरविंद जैन, कोषाध्यक्ष प्रदीप बोहरा सहित अन्य ने बताया कि भूमिपूजन के बाद से ही मंदिर के भव्य निर्माण का कार्य शुरू हो गया था। प्रदेशभर में सीतामऊ का यह मंदिर जैन धर्मावलंबियों के लिए तीर्थ स्थल बनकर उभरेगा।

मंदिर में भगवान आदिनाथ व पार्श्वनाथ जी की 41 इंची मूर्ति विराजित आने वाले लोगों के लिए यहां भोजनशाला व धर्मशाला का भी निर्माण करवाया गया है। मुख्य शिखर के अलावा 12 छोटे शिखर मंदिर में हैं। यहां भगवान आदिनाथ जी, पार्श्वनाथ जी के साथ 6 अन्य देव व देवियां विराजित है। जहाज मंदिर की चौड़ाई करीब 36 फीट है। वहीं मंदिर की लंबाई करीब 110 फीट है। जमीन से इसकी उंचाई करीब 80 फीट है। मंदिर में भगवान आदिनाथ व पार्श्वनाथ जी की 41 इंची मूर्ति विराजित है।

मंदिर में यह है खास मंदसौर जिले के सीतामऊ क्षेत्र में बना जहाज मंदिर राजस्थान के जालौर जिले के बाद दूसरा भव्य मंदिर है। इस मंदिर में विराजित प्रतिमा 3 हजार वर्ष पुरानी है जो करीब 5 वर्ष पहले चंबल नदी से निकली थी। मंदिर में 1 मुख्य व 12 अन्य शिखर बने है। यह जहाज मंदिर कमल की पंखुड़ियों में स्थापित है।

पाकिस्तानी एयर स्पेस बंद, दिल्ली एयरपोर्ट पर बड़ा असर

अब गुजरात से आगे अरब सागर के ऊपर से उड़ रही हैं फ्लाइट मुंबई/नई दिल्ली। भारतीय एयरलाइंस के लिए पाकिस्तानी एयर स्पेस बंद होने का भारत की इंटरनेशनल फ्लाइटों पर प्रतिकूल असर पड़ना शुरू हो गया है। खासतौर से दिल्ली और इसके आसपास के तमाम इंटरनेशनल एयरपोर्ट से यूके, नॉर्थ अमेरिका, यूरोप और मिडिल ईस्ट आने-जाने वाली फ्लाइटें पर। इन्हें अब लंबा रूट लेना पड़ रहा है। जो पहले पाकिस्तानी एयर स्पेस में प्रवेश करते हुए, मिडिल ईस्ट के लिए चली जाती थी। जबकि आगे लंदन और अमेरिका जाने के लिए अफगानिस्तान, इरान, तुर्किए, ग्रीस का एयर स्पेस पार करते हुए ऑस्ट्रिया होते हुए आगे चली जाती थी। उन्हें अब दिल्ली से पाकिस्तान ना जाकर नीचे गुजरात से अरब सागर के उपर से फ्लाई करना पड़ रहा है। एयरलाइंस का कहना है कि इस वजह से उन्हें ना केवल फ्यूल अधिक लेकर चलना पड़ रहा है बल्कि लंबी दूरी की फ्लाइटों में क्रू का एक और सेट बढ़ाना पड़ गया है। क्योंकि, फ्यूल लेने के लिए रास्ते में एक जगह रुकना पड़ रहा है। इसी वजह से गुरुवार को अकेले एयर इंडिया की चार फ्लाइटों को रास्ते में पाकिस्तानी एयर स्पेस क्लोज होने की वजह से तेल लेने के लिए रुकना पड़ा। क्योंकि, जब पाकिस्तानी एयर स्पेस बंद होने की घोषणा की गई। उस समय तक यह फ्लाइट यूके, अमेरिका और यूरोप से टेक ऑफ कर चुकी थीं।

5 महीने में भारतीय एयरलाइंस को हुआ था 600 करोड़ का नुकसान इससे पहले जब 2019 में जम्मू-कश्मीर से 370 हटाई गई थी। तब करीब पांच महीनों के लिए पाकिस्तान ने एयर स्पेस बंद हुआ था। उस वक्त भारतीय एयरलाइंस को करीब 600 करोड़ रुपए का नुकसान उठाना पड़ा था। इंडिगो एयरलाइंस ने कहा है कि पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र के बंद होने के कारण उनके द्वारा संचालित करीब 50 अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को लंबा रास्ता तय करना होगा। इसलिए उनके शेड्यूल में कुछ मामूली बदलाव हो सकते हैं। इन्हीं प्रतिबंधों और मार्ग बदलने के सीमित विकल्पों के कारण अल्माटी के लिए उड़ानें 27 अप्रैल से कम से कम 7 मई तक और ताशकंद के लिए उड़ानें 28 अप्रैल से 7 मई तक के लिए कैंसल कर दी गई हैं।

एयर इंडिया भी बना रहा अपना पूरा फ्लाइट शेड्यूल इसके लिए एयर इंडिया भी अपना पूरा फ्लाइट शेड्यूल बना रहा है। जिसमें उसकी कितनी फ्लाइट कैंसल की जा सकती हैं और कितनी फ्लाइटों के रूट बढ़ जाएंगे। भारत से हर दिन 1200 से अधिक इंटरनेशनल फ्लाइट ऑपरेट होती हैं। इनमें कार्गो फ्लाइट भी हैं। अकेले दिल्ली से करीब 300 इंटरनेशनल फ्लाइट हर दिन टेक ऑफ और लैंड होती हैं। इसका असर कार्गो फ्लाइट पर भी पड़ेगा। इससे आने वाले दिनों में फ्लाइटों के किराए भी महंगे हो सकते हैं। सामान भी महंगा हो सकता है। सबसे अधिक असर दिल्ली पर एयर इंडिया के पूर्व ईडी जितेंद्र भार्गव ने बताया कि पाकिस्तानी एयर स्पेस बंद होने का कोई पहला मामला नहीं है। इसका सबसे अधिक असर दिल्ली पर पड़ेगा। हालांकि, मुंबई से ऑपरेट होने वाली कुछ फ्लाइट भी इसके दायरे में आएंगी। उन्होंने बताया कि दिल्ली से शिकागो, लंदन और न्यू यॉर्क समेत अमेरिका और यूरोप के अन्य कई शहरों और देशों में आने-जाने वाली फ्लाइटों को लंबा रास्ता लेना पड़ेगा।

जमानत पर जेल से बाहर आए नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे

विधायक प्रतिनिधि के साथ मारपीट के आरोप में हुई थी जेल, बोले - जंग जारी रहेगी

इंदौर। बीजेपी विधायक प्रतिनिधि कपिल पाठक और उसके परिवार के लोगों के साथ हुई मारपीट के मामले में जेल में बंद नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे शनिवार को जेल से जमानत पर बाहर आ गए। कोर्ट ने गवाहों को ना धमकाने और जांच में सहयोग करने की शर्त पर जमानत दी है। शनिवार दोपहर को सेंट्रल जेल से बाहर आने के बाद चिंटू ने कहा कि अन्याय, अत्याचार और भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग जारी रहेगी। पिछले शनिवार को हीरा नगर थाना क्षेत्र में पानी के ट्रेक्टर को हटाने को लेकर हुए विवाद में हीरा नगर पुलिस ने चिंटू चौकसे सहित 8 से ज्यादा लोगों पर विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने रविवार को चिंटू चौकसे को गिरफ्तार किया था। एमवाय में मेडिकल कराने के बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। पिछले सोमवार को कांग्रेस के कई नेता चिंटू चौकसे से मिलने जेल भी गए थे।

शुक्रवार को मिली थी जमानत

विधायक प्रतिनिधि कपिल पाठक के साथ मारपीट के मामले में गिरफ्तार नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे सहित तीन आरोपियों को जिला कोर्ट से जमानत दे दी। शुक्रवार को कोर्ट ने आदेश जारी कर दिया। पुलिस ने 20 अप्रैल को चिंटू, भतीजे रोहन, सुभाष यादव, ड्राइवर रवि प्रजापत के खिलाफ केस दर्ज किया था। इनमें से चिंटू, रवि और सुभाष को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। इनकी ओर से एडवोकेट संतोष शर्मा ने जमानत के लिए आवेदन लगाए थे। एडवोकेट शर्मा ने बताया कि शुक्रवार को सेशन जज अयाज मोहम्मद के समक्ष जमानत आवेदनों पर सुनवाई हुई। इसमें तीनों की जमानत के लिए तर्क रखे गए। शाम को कोर्ट ने 25 हजार के मुचलके पर जमानत का आदेश जारी किया। शनिवार दोपहर को चिंटू जेल से बाहर आए।

झूठा केस था, है और रहेगा

जेल से बाहर आने पर चिंटू ने कहा यह संपूर्ण रूप से झूठा केस था, है और रहेगा। ईश्वर ने हम सब लोगों की सुनी। आने वाले समय में पूरा शहर दूध का दूध और पानी का पानी देखेगा। अंधेर नगरी चौपट राजा है।

ईश्वर ने हमें लड़ने की शक्ति दी है अन्याय, अत्याचार और भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग जारी रहेगी। इधर, चिंटू चौकसे के बाहर आने की जानकारी मिलने पर जेल के बाहर समर्थकों का जमावड़ा लग गया। चिंटू चौकसे के बाहर आते ही उनका स्वागत किया।

अप्लास्टिक एनीमिया के मरीजों को पीएम राहत कोष से 3 लाख तक की मदद, जानिए कैसे करें आवेदन

इंदौर। अप्लास्टिक एनीमिया कैंसर से भी ज्यादा खतरनाक, घातक और खर्चीली बोन मैरो की समस्या है। इसमें मरीज को बार-बार रक्त और प्लेटलेट्स चढ़ाने पड़ते हैं। इसकी दवाइयां महंगी होती हैं, इलाज लंबा चलता है और कई बार तो बोन मैरो ट्रांसप्लांट की ज़रूरत पड़ती है। इसके इलाज में अब सरकार भी मदद करने लगी है। प्रसिद्ध होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. ए. के. द्विवेदी ने पत्रकार वार्ता में यह जानकारी दी।

डॉ. द्विवेदी ने बताया कि जब लोग एनीमिया सुनते हैं, तो अक्सर यही मान लेते हैं कि यह सिर्फ आयरन अथवा विटामिन की कमी से जुड़ी समस्या है। लेकिन अप्लास्टिक एनीमिया बिल्कुल अलग और अत्यधिक गंभीर बीमारी है, जिसमें शरीर का बोन मैरो खून बनाना बंद कर देता है, साथ ही वह रक्त कणिकाओं को नष्ट भी करने लगता है जिसके कारण यह स्थिति इतनी गंभीर होती है कि समय पर इलाज न हो तो मरीज की जान तक जा सकती है। डॉ. द्विवेदी ने जब मरीज़ों की यह पीड़ा सुनी, तो उन्होंने मुख्यमंत्री, राज्यपाल और प्रधानमंत्री को भी पत्र लिखे ताकि सरकार इस बीमारी को गंभीरता से ले और मरीजों की मदद के लिए आगे आएं। उनकी इस पहल का असर दिखा। उन्होंने प्रेस वार्ता में एक पत्र पढ़ा, जो प्रधानमंत्री ने एक अप्लास्टिक एनीमिया के मरीज को भेजा है, और जिसमें उन्हें प्रधानमंत्री राहत कोष योजना के तहत 3,00,000 रुपए की सहायता राशि प्राप्त हुई है। यह पत्र उनके लिए प्रेरणा बना और अब वे चाहते हैं कि और भी लोग जागरूक हों और इस योजना का लाभ उठाएं।

मरीजों को मदद करे सरकार

डॉ. द्विवेदी का कहना है अगर सरकार कैंसर, किडनी और हार्ट जैसे रोगियों को विशेष ध्यान देती है और इलाज हेतु आर्थिक सहायता प्रदान करती है, तो अप्लास्टिक एनीमिया को भी उसी श्रेणी में लाना चाहिए। यह बीमारी भी उतनी ही जानलेवा और खतरनाक है, तथा इसका इलाज भी उतना ही अधिक खर्चीला है।

बीमारी की जड़ और अनजानी बातें

यह जानकर हैरानी होती है कि ज्यादातर अप्लास्टिक एनीमिया के मामलों में यह पता ही नहीं चलता कि उन्हें यह बीमारी क्यों हुई। कुछ लोगों में यह डेंगू या अन्य वायरस जैसे हेपेटाइटिस या एपस्टीन-बार वायरस, कुछ दवाइयों या ज़हरीले केमिकल्स के कारण हो सकता है लेकिन ज़्यादातर मरीज़ों में यह बीमारी अचानक और बिना किसी चेतावनी के सामने आती है।

कैंसर से भी गंभीर बीमारी

बहुत कम लोग जानते हैं कि यह बीमारी कैंसर से भी अधिक गंभीर होती है, पर इसका नाम ज़्यादातर लोगों को पता नहीं होता। इसके इलाज में भी लगभग वही दवाइयां दी जाती हैं जो कैंसर के मरीज़ों को मिलती हैं, जैसे एटीजी और सायक्लोस्पोरीन। कई लोग इसे सामान्य खून की कमी समझकर आयरन की गोलियां या घरेलू तरीके अपनाते हैं, लेकिन ये इस बीमारी में बिल्कुल काम नहीं करते और कभी-कभी नुकसान भी कर सकते हैं। अप्लास्टिक एनीमिया का स्थायी इलाज बोन मैरो ट्रांसप्लांट ही हो सकता है, लेकिन इसके लिए ।ru (ह्यूमन ल्यूकोसाइट एंटीजन) का मेल मिलना बहुत मुश्किल होता है खासकर भारत जैसे देश में, जहां बोन मैरो डोनेशन के बारे में जानकारी बहुत कम है।

समय पर करें मदद के लिए आवेदन

डॉ. द्विवेदी का मानना है कि अब वक्त आ गया है जब समाज को अप्लास्टिक एनीमिया के खिलाफ एकजुट होकर खड़ा होना होगा न सिर्फ़ मरीज़ों के लिए, बल्कि नीति-निर्माताओं तक आवाज़ पहुंचाने के लिए भी। मरीज़ों को चाहिए कि वे प्रधानमंत्री राहत कोष जैसी सरकारी योजनाओं के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त करें और समय रहते आवेदन करें, ताकि उन्हें आर्थिक सहायता मिल सके। वहीं, सरकार को भी इस बीमारी की गंभीरता को समझते हुए इसे विशेष सहायता योग्य रोगों की सूची में शामिल करना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी के इस प्रयास से और अधिक मरीज़ों को लाभ मिल सकेगा। आम जनता के बीच यह जानकारी पहुंचना आवश्यक है, ताकि जिन्हें बोन मैरो ट्रांसप्लांट कराना है, उन्हें स्वस्थ जीवन बिताने की संभावनाएं बढ़ सकें।

होम्योपैथी दवाएं दे रहीं फायदा

डॉ. ए. के. द्विवेदी के अनुसार, होम्योपैथी दवाएं भी अप्लास्टिक एनीमिया के इलाज में काफी कारगर साबित हो रही हैं। जिन्हें एटीजी जैसे इलाज से राहत नहीं मिली, ऐसे भी कई मरीज होम्योपैथिक इलाज लेकर पूरी तरह से स्वस्थ जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

आसमान छू रहा श्रीनगर से वापसी का हवाई किराया, एक आदमी का टिकट दोगुना हुआ

इंदौर। पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमले के बाद कश्मीर में फंसे लोग अब अपने अपने शहरों की तरफ लौट रहे हैं। इस बीच लैंड स्लाइड के कारण जम्मू हाईवे पांच दिनों से बंद था। उसे आंशिक रूप से खोला जा रहा है। ज्यादातर पर्यटक ट्रैफिक जाम में फंसने का जोखिम उठाने के बजाए उड़ानों से अपने घरों की तरफ लौटने का विकल्प चुन रहे हैं। शुक्रवार को श्रीनगर एयरपोर्ट पर रेलवे स्टेशन जैसी भीड़ थी। सामान की जांच से लेकर बोर्डिंग तक के लिए लंबी-लंबी कतारें दिखाई दीं। यात्री फ्लाइट छूटने के डर से तय बोर्डिंग समय से काफी पहले एयरपोर्ट पहुंच रहे थे। श्रीनगर से पर्यटकों की फ्लाइट की बुकिंग का दवाब बढ़ने का फायदा भी एयरलाइंस कंपनियों ने खूब उठाया। श्रीनगर से दिल्ली तक का किराया हमले के दूसरे दिन 25 हजार तक पहुंच गया था। सरकार ने कंपनियों को किराया सामान्य रखने के लिए कहा, लेकिन कंपनियों ने आपदा में अवसर खोजने में कोई कसर बाकी नहीं रखी। मध्य प्रदेश के एक पर्यटक विश्वास बोराडे ने बताया कि श्रीनगर से इंदौर तक के दो टिकट उन्होंने 38 हजार में खरीदे, जबकि जाते समय 18 हजार में दो टिकट मिले थे। दिल्ली, जम्मू, अमृतसर, चंडीगढ़ जैसे श्रीनगर के निकटवर्ती शहरों का हवाई किराया ही 10 से 15 हजार प्रति यात्री लग रहा था। उधर, इस हमले के बाद कश्मीर के पर्यटन सेक्टर को भी नुकसान हो रहा है। होटल, वाहनों की बुकिंग धड़ाधड़ कैंसिल हो रही है। डल झील की हाउस बोट के वाहिद वाणी ने बताया कि हाउस बोट की 80 प्रतिशत बुकिंग कैंसल हो चुकी हैं। झील में 1220 हाउस बोट हैं और हजारों परिवारों को इससे रोजगार मिलता है। यहां तैरता मीना बाजार है। शिकारों पर दुकानें सजती हैं। 2 हजार से 15 हजार तक हाउस बोट का किराया होता है। इस सीजन में भी जून तक बुकिंग थी, लेकिन अब सब धीरे धीरे कैंसल होने लगी हैं। डर के कारण पर्यटक अब यहां आना नहीं चाहते।

इंदौर में कांग्रेस का बंद रहा बेअसर, दुकानें खोली

इंदौर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का विरोध मध्यप्रदेश में जारी है। इंदौर में कांग्रेस ने बंद का आव्हान किया था, लेकिन ज्यादातर प्रतिष्ठान खुले रहे। व्यापारियों का कहना है कि हम आतंकी हमले की घटना से दुखी हैं, लेकिन कांग्रेस हिंदू विरोधी है इसलिए पूरे क्षेत्र की दुकान खुली रखी गई हैं। बता दें कांग्रेस कमेटी ने सभी व्यापारिक संगठनों से 26 अप्रैल को दोपहर 2 बजे तक आधे दिन का स्वैच्छिक इंदौर बंद रखने की अपील की थी। इंदौर और भोपाल में आज आधे दिन के बंद के दौरान इमरजेंसी सेवा यानी, थोक दवा बाजार और मेडिकल स्टोर्स खुले रहें। भोपाल केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष जितेंद्र धाकड़ ने बताया कि जरूरी सेवा होने की वजह से दुकानें खुली रखी, लेकिन बंद का पूरा समर्थन था। श्रद्धांजलि सभा में केमिस्ट शामिल हुए।

इंदौर में बंद का मिला-जुला असर

इंदौर में बंद का मिला-जुला असर है। कई जगह बाजार बंद हैं। वहीं, एमआईजी क्षेत्र में सभी दुकानें खुली हुई हैं। तिलक नगर में अधिकांश दुकानें खुल गई। इंदौर में कांग्रेस के बंद का कोई खास असर देखने को नहीं मिल रहा है।

भारत-न्यूज़ीलैंड फाइनल क्रिकेट मैच का ऑनलाइन सट्टा मामला

क्राइम ब्रांच ने दो और आरोपियों को किया गिरफ्तार, दुबई की लिंक आ रही सामने

इंदौर। चैम्पियंस ट्रॉफी के भारत-न्यूजीलैंड फाइनल क्रिकेट मैच के ऑनलाइन सट्टा मामले में क्राइम ब्रांच ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी मयंक मूलचंदानी (28) निवासी बड़नगर उज्जैन और यश भाना (26) निवासी जिला मंदसौर को प्रयागराज से गिरफ्तार किया है। केस दर्ज होने के बाद यह लोग जगह बदलकर फरारी काट रहे थे।

एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंतोडिया ने बताया कि ये मामला मार्च का है। मामले में अब तक 9 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। मार्च में क्राइम ब्रांच को मुखबिर से सूचना मिली थी कि स्कीम नंबर 78 में मंगलम अपार्टमेंट के ग्राउंड फ्लोर स्थित फ्लैट नंबर 254 में मोबाइल व लैपटॉप के माध्यम से आईसीसी चैम्पियंस ट्राफी का फाइनल 2025 भारत-न्यूजीलैंड क्रिकेट मैच का सट्टा ऑनलाइन संचालित किया जा रहा है। इस पर टीम ने घेराबंदी कर यहां से 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में सामने आया था कि ये दो अलग-अलग ऑनलाइन वेबसाइट पर रुपयों से हार-जीत का दाव लगाकर ऑनलाइन सट्टा खिला रहे थे। जिन ग्राहकों को सट्टा लगाना रहता है उनसे आरोपी ऑनलाइन पेमेंट अलग-अलग बैंक खातों में लेते और ऑनलाइन आईडी व पासवर्ड ग्राहकों को देते थे। उस आईडी पर जितने रुपए ग्राहक ने जमा किए है, उसके पाइंट उनको उस आईडी पर देते हैं। आरोपियों ने वेबसाइट में उपलब्ध गेम में हार-जीत का दाव लगाकर सट्टा खिलाना स्वीकार किया था। जिस लिंक से ये आईडी पासवर्ड ग्राहकों को देते थे उसके तार दुबई से जुड़े हैं। आरोपी के पास से 52 मोबाइल फोन, 9 लैपटॉप, 35 एटीएम कार्ड, 44 चेकबुक, 2 मॉडम, 4 मोबाइल चार्जर, 2 लैपटॉप चार्जर, 2 सट्टे के हिसाब-किताब का रजिस्टर एवं ऑनलाइन सट्टे के 20 से 25 करोड़ का लेखा-जोखा जब्त किया था।क्राइम ब्रांच अब तक इन्हें मिलाकर 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। ये आरोपी स्कीम नंबर 78 में किराए के फ्लैट में अलग-अलग वेबसाइट के माध्यम से ग्राहकों की आईडी बनाकर मोबाइल से ऑनलाइन क्रिकेट का सट्टा चला रहे थे।

ये आरोपी हो चुके हैं गिरफ्तार

सतीश सुथार उम्र 50 वर्ष निवासी राजस्थान (10वीं)
रवि चौधरी उम्र 25 साल निवासी उज्जैन (बीई इंजीनियर),
निलेश पाटीदार उम्र 23 साल निवासी जिला रतलाम(बीए)
सचिन यादव उम्र. 24 साल निवासी उज्जैन(12वीं),
मोहित नागल उम्र 24 वर्ष निवासी उज्जैन(10वीं),
विशाल यादव उम्र 23 वर्ष निवासी रतलाम,(पॉलिटेक्निक इंजीनियर)
साहिल खांन उम्र 29 साल निवासी इंदौर (10वीं)
मयंक मूलचंदानी उम्र 28 निवासी बड़नगर उज्जैन (बी.कॉम)
यश भाना उम्र 26 साल निवासी जिला मंदसौर (एमबीए पास)

बदल-बदल कर काट रहे थे फरारी

एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया ने बताया कि पूर्व में पकड़ाए आरोपियों ने बताया था सट्टे का मुख्य संचालक के रूप में आरोपी यश भाना और साथी मयंक मूलचंदानी है, जिस पर उनकी तलाश की जा रही थी। क्राइम ब्रांच की टीम ने तकनीकी जानकारी के आधार पर प्रयागराज से मयंक और यश को गिरफ्तार किया है। यश से पूछताछ में पता चला कि वह एमबीए किया हुआ है और उसने इंदौर में फ्लेट में अपने साथी आरोपियों के साथ मिलकर ऑनलाइन गेमिंग सट्टा संचालित किया।

इंदौर में मंदिर परिसर से भगवा झंडे हटाए, रहवासी और हिंदू संगठन ने आंदोलन की दी चेतावनी

इंदौर। इंदौर के विजय नगर क्षेत्र में हनुमान जयंती के बाद मंदिर परिसर में लगाए गए भगवा झंडे नगर निगम कर्मचारियों द्वारा हटाए जाने पर विवाद खड़ा हो गया है। घटना जोन-22 क्षेत्र स्थित बीसीएम हाइट्स के पीछे मंदिर परिसर की है, जहां भक्तों ने धार्मिक आयोजन और भागवत कथा के लिए भगवा ध्वज लगाए थे। स्थानीय रहवासियों और हिंदू संगठनों ने नगर निगम की इस कार्रवाई पर नाराजगी जताई है। उन्होंने आरोप लगाया कि निगमकर्मियों ने बुधवार को मंदिर परिसर से भगवा झंडे हटा दिए, जिसकी पुष्टि सीसीटीवी फुटेज से भी हुई है। अब लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि झंडे वापस नहीं लगाए गए तो नगर निगम का घेराव किया जाएगा।

सीएसआई पर झंडे हटवाने का आरोप

हिंदू संगठन के नेताओं मानसिंह, कृष्णा वाघ और राजावत ने आरोप लगाया कि निगम के जोनल अधिकारी के निर्देश पर सीएसआई वीरेंद्र चौहान और अन्य कर्मचारियों ने झंडे हटवाए। उन्होंने कहा कि भगवा झंडा हिंदू धर्म और आस्था का प्रतीक है, उसे हटाया जाना न सिर्फ धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाता है, बल्कि यह असहनीय भी है।

निगम अधिकारी बोले- गलतफहमी हुई, झंडे लगवाए जा रहे हैं

मामले पर जोनल अधिकारी शिवलाल यादव ने सफाई दी है। उनका कहना है कि निचले स्टाफ और एनजीओ के बीच समन्वय की कमी के कारण यह स्थिति बनी। उन्होंने बताया कि मौके पर जाकर स्थिति को तुरंत नियंत्रित किया गया। हालांकि, हिंदू संगठनों ने निगम की सफाई को अस्वीकार करते हुए मांग की है कि अधिकारी माफी मांगें और झंडे दोबारा उसी स्थान पर लगवाए जाएं। अन्यथा वे आंदोलन करेंगे।

इंदौर में ट्रैफिक जाम से मिलेगी स्थायी राहत

गंगवाल से सरवटे तक सड़क निर्माण के लिए हटेगा अतिक्रमण, धार्मिक स्थल होंगे शिफ्ट

इंदौर। इंदौर के गंगवाल बस स्टैंड से सरवटे बस स्टैंड तक सड़क निर्माण काम प्रस्तावित है। शनिवार को इस काम को देखने महापौर अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ सड़क पर उतरे। निरीक्षण की शुरुआत गंगवाल बस स्टैंड से की गई। यहां से महापौर, जनप्रतिनिधि और अधिकारी सिलावटपुरा, मच्छी बाजार होते हुए पंढरीनाथ के सामने से सरवटे बस स्टैंड तक पहुंचे। इस दौरान विधायक मालिनी गौड़, विधायक गोलू शुक्ला, निगम आयुक्त शिवम वर्मा, एमआईसी सदस्य अभिषेक शर्मा %बबलू%, पार्षद भारत रघुवंशी, रूपाली पेंढारकर सहित नगर निगम और आईडीए के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इस सड़क के निर्माण के दौरान चार प्रमुख धार्मिक स्थल और कई अतिक्रमण सामने आए हैं, जो निर्माण कार्य में बाधा बन रहे हैं। महापौर ने आपसी सहमति से धार्मिक स्थलों के स्थानांतरित करने और अतिक्रमण हटाने का निर्णय लिया है। सड़क निर्माण काम के लिए जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से आग्रह कर 9 करोड़ रुपए का अतिरिक्त बजट स्वीकृत कराया है, जिससे कार्य को तेजी से पूरा किया जा सकेगा।

ट्रैफिक जाम से मिलेगी राहत

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि गंगवाल से सरवटे बस स्टैंड तक की यह सड़क, शहर के एक महत्वपूर्ण ट्रैफिक कॉरिडोर को सुगम बनाएगी। इस सड़क के निर्माण के बाद पश्चिमी क्षेत्र के ट्रैफिक में सुगमता आएगी। साथ ही भविष्य में एयरपोर्ट कनेक्टिविटी को और मजबूत करने के लिए भी इस मार्ग का विशेष महत्व होगा। हम सबका प्रयास है कि इंदौर का ट्रैफिक सुगम बने। लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए विकास कार्यों में तेजी लाई जाएगी।

लोगों से की अपील- स्वेच्छा से हटाएं अतिक्रमण महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि स्पष्ट टाइम टेबल तैयार कर सार्वजनिक किया जाए। साथ ही निर्माण क्षेत्र में सेंट्रल लाइन बनाकर अतिक्रमण की स्थिति स्पष्ट की जाए, जिससे लोगों को जानकारी मिल सके कि किन निर्माणों को कितना हटाया जाएगा। महापौर ने कहा कि हमारा प्रयास है कि बारिश के पहले यानी जून अंत तक सड़क बनाने का काम शुरू हो जाए। महापौर पुष्यमित्र भार्गव का कहना है कि धार्मिक संगठनों से संवाद कर समाधानात्मक सहमति से काम को आगे बढ़ाया जाएगा। इधर, उन्होंने लोगों से अनुरोध किया है कि वे स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाए और शहर के विकास में सहभागी बने।

हिंदू लड़कियों को टारगेट कर रेप करने वाले का कबूलनामा, बोला-

डांस क्लास के बहाने हिंदू लड़कियों को फंसाया, फिर किया गैंगरेप

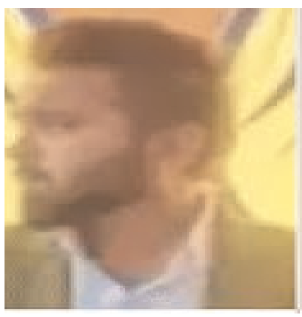

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल में हिंदू लड़कियों को टारगेट कर रेप करने वाले आरोपियों के बयानों में लगातार चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। आरोपी साहिल खान के बयानों ने पुलिस को भी चौंका दिया है। उसने बताया कि वह मूल रूप से पन्ना का रहने वाला है। फर्स्ट ईयर की पढ़ाई करने के बाद मन नहीं लगा और पढ़ाई को छोड़कर अशोका गार्डन इलाके में डांस क्लास शुरू कर दी। यहां केवल हिंदू लड़कियों को ही एडमिशन देता था। डांस गुरु होने के नाते नजदीकी बढ़ाता था। वह बाहर से पढ़ने आई गरीब लड़कियों को हाई प्रोफाइल लाइफ दिखाने उन्हें हुक्का लाउंज और पब लेकर जाता था। इस सबके बीच उनके पारिवारिक हालात की जानकारी हासिल करता था। गांव की रहने वाली गरीब लड़कियों को जब भरोसा हो जाता तो पार्टी के नाम पर अशोका गार्डन स्थित रूम पर ले जाता था। यहीं बैतूल की रहने वाली एक युवती से पहली बार कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ देने के बाद युवती से रेप किया था। इसका वीडियो भी गुपचुप तरीके से बना लिया। बाद में इस वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर कई बार युवती के साथ रेप किया। इसी वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर दोस्त फरहान से भी अपने रूम में युवती का रेप कराया। हालांकि, साहिल के मोबाइल फोन से पुलिस को फिलहाल कोई अश्लील वीडियो नहीं मिली हैं। आरोपी वीडियो पहले ही डिलीट कर चुका था। पुलिस मोबाइल फोन को एफएसएल परीक्षण के लिए भेज रही है। आरोपियों ने गिरोह बनाकर लड़कियों के साथ सीरियल रेप किए हैं, लिहाजा पुलिस पर आरोपियों पर संगठित अपराध की धाराओं में इजाफा कर रही है।

तीन लड़कियों से एक साथ रेप किया

मुख्य आरोपी फरहान के मोबाइल से मिली वीडियो में एक वीडियो ऐसा है जिसमें वह एक साथ तीन लड़कियों के साथ रेप कर रहा है। उन्हें बेरहमी से पीट रहा है। एक अन्य वीडियो में आरोपी इंदौर की पीड़िता से रेप करने के साथ ही उसे सिगरेट से दाग रहा है। आरोपी लड़कियों के साथ क्रूरता करता था। उन्हें मारता और पीटता था। पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी बनाता था और अपने मोबाइल फोन में सेव कर लिया करता था। पीड़िताओं के वीडियो आरोपी ने एक अलग फोल्डर में सेव कर रखे थे। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह आरोपी गांजा पीने का आदी है। इंदौर की पीड़िता को उसने कई बार मजबूर कर गांजा और शराब पिलाई है। उसे अपने किए पर कोई पछतावा नहीं है। पुलिस को गुमराह करने के लिए आरोपी ने यह भी बताया कि वह इंदौर की पीड़िता से प्यार करता था। उससे शादी करना चाहता था।

लड़कियों पहुंचाने का काम करता था शाजी

मामले में गिरफ्तार आरोपी शाजी उर्फ शमस उद्दीन आरोपियों के लिए लड़कियों को उनके ठिकाने तक पहुंचाने और रेप के बाद उन्हें घर तक छोड़ने का काम करता था। शाजी पेशे से मैकेनिक है। वह अफसरा टॉकीज के पास ऐशबाग में रहता है। फरहान साइड बिजनेस के तौर पर सेकेंड हैंड गाड़ियों को बेचने का काम करता था। गाड़ियों में काम कराने के सिलसिले में शाजी से उसकी दोस्ती हुई थी। शाजी की दुकान अशोका गार्डन में थी। 2 पीड़िताएं इस क्षेत्र में किराए से रह चुकी है। फरहान के कहने पर शाजी 500-700 रुपए लेकर उन्हें लाने और ले जाने का काम करता था। फरहान ने शाजी की मदद से पीड़िताओं को कई बार अनजान युवकों के ठिकानों तक छुड़वाया है। पूछताछ के बाद पुलिस केस में आरोपियों की संख्या बढ़ा सकती है।

आरोपियों की क्राइम प्रोफाइल

फरहान खानः मुख्य आरोपी है। हिंदू लड़कियों को फांसने वाले गिरोह का मास्टर माइंड। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर कई लड़कियों से यादती की।

साहिल खानः मूलतः पन्ना का रहने वाला है। अशोका गार्डन इलाके में डांस क्लास चलाता था। टारगेट कर हिंदू लड़कियों को फंसाया और रेप किया। इसके मोबाइल में कई आपत्तिजनक वीडियो मिले हैं।

अली खानः जून 2024 में अशोका गार्डन के होटल में कॉलेज छात्रा से दुष्कर्म किया। लड़की की वीडियो बनाई फिर उसे फरहान को भेजा। जुलाई-2024 को मिलने के बहाने बुलाया। यहां पहले से फरहान मौजूद था। वीडियो वायरल करने का डर दिखा फरहान ने गलत काम किया।

शाजी उर्फ शम्स उद्दीनः मैकेनिक है और फरहान का दोस्त। 500-500 रुपए के लालच में यही लड़कियों को लाता- ले जाता था। फरहान के कहने पर जबरदस्ती उन्हें गांजा पिलाने का काम भी करता था।

अबरारः कोलकाता का रहने वाला है। भोपाल पढ़ने आया था, लेकिन पढ़ाई बीच में छोड़कर वापस चला गया। गिरफ्तारी के लिए टीम कोलकाता रवाना है। इसके कमरे में लड़की से दुष्कर्म हुआ।

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में आधे दिन बंद रहा भोपाल, शहर के 13 व्यापारिक संगठनों ने किया समर्थ

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का देश भर में लगातार विरोध किया जा रहा है। मध्य प्रदेश में भी आक्रोश देखने को मिल रहा है। भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (बीसीसीआई) ने विरोध में शनिवार को भोपाल आधे दिन बंद रहा। जिसका शहर के 13 व्यापारिक संगठनों ने समर्थन किया है। बंद से इमरजेंसी मेडिकल सेवा को बाहर रखा गया था। 3 हजार मेडिकल स्टोर्स और थोक दवा दुकानें खुली रहीं। दूध की सप्लाई भी प्रभावित नहीं हुई। वहीं, चाय-नाश्ता की दुकाने खुली रहीं। दोपहर 12 बजे कोहेफिजा स्थित चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ऑफिस में पहलगाम के मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई। भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष तेजकुलपाल सिंह पाली ने बताया कि भोपाल व्यापारी संगठन पहलगाम आतंकी घटना में जान गंवाने वाले लोगों के परिवार वालों के साथ खड़ा है। इस निर्मम हमले के विरोध में भोपाल शहर बंद किया गया। श्रद्धांजलि सभा में भोपाल चेंबर के लगभग 150 सदस्य मौजूद रहे।

न्यू मार्केट के अधिकांश दूकाने रहीं बंद

न्यू मार्केट व्यापारी संरक्षण समिति के आह्वान पर भोपाल में अधिकांश प्रतिष्ठान दोपहर तक बंद रहे। अध्यक्ष सतीश कुमार गंगराड़े समेत पवन वरदानी, प्रदीप कुमार गुप्ता और अजय देवनानी ने बताया कि सभी व्यापारियों की सहमति के बाद बंद किया गया। पुराने भोपाल के कारोबारियों ने भी बंद का समर्थन करते हुए दुकानें आधे दिन तक बंद रखा। चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के हरीश ज्ञानचंदानी ने कहा सभी सदस्यों ने आतंकी हमले का घोर विरोध किया। दिवंगत आत्माओं की शांति हेतु भगवान से प्रार्थना की।

बंद को भोपाल की 13 समितियों का समर्थन

भोपाल के 13 से अधिक व्यापारी समितियों के आग्रह पर शहर का अधिकांश हिस्से में बंद का असर देखा गया। इसमें भोज इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी एंड ऑफिस ऑटोमेशन डीलर्स एसोसिएशन, भोपाल कोचिंग एसोसिएशन, कोलार व्यापारी संघ, 10 नंबर मार्केट व्यापारी संघ, कार एसेसरीज संगठन, होलसेल सराफा एसोसिएशन, किराना व्यापारी संघ, टैक्स लॉ बार एसोसिएशन, प्लाइवुड हार्डवेयर व्यापारी एसोसिएशन, न्यू सराफा एसोसिएशन, ग्रीन एंड ऑयल सीड मर्चेंट एसोसिएशन, लोहा व्यवसाय एवं निर्माता संघ, इंद्रपुरी व्यापारी एसोसिएशन, ओल्ड होलसेल रेडीमेड एवं होजरी व्यापारी संघ, इंद्रपुरी व्यापारी महासंघ इंद्रपुरी सहित भेल भी बंद के समर्थन में रहा।

बंद में जारी रही इमरजेंसी सेवाएं

बंद के दौरान इमरजेंसी सेवाओं में थोक दवा बाजार, मेडिकल स्टोर्स सहित अस्पताल खुले रहे। भोपाल केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष जितेंद्र धाकड़ ने बताया जरुरी सेवाओं को छोड़कर बाकी बंद को पूरा समर्थन रहा। कहीं भी मरीजों को इमरजेंसी सुविधाओं का लाभ पाने में परेशानी जैसी कोई सूचना नहीं है।

हलाली डेम में छोड़े गए 6 गिद्धों में से 3 की मौत, वन विभाग ने बाकी 3 को केरवा सेंटर वापस भेजा

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल के हलाली डेम क्षेत्र में गिद्ध संवर्धन एवं प्रजनन केंद्र केरवा से छोड़े गए छह गिद्धों में से तीन की मौत हो गई है। वन विभाग ने शेष तीन गिद्धों को वापस सेंटर में भेज दिया है। गिद्ध संवर्धन एवं प्रजनन केंद्र केरवा से छह गिद्धों को उनके प्राकृतिक आवास में छोड़ने की पहल की गई थी। इनमें दो सफेद पीठ वाले और चार लंबी चोंच वाले गिद्ध शामिल थे। इन गिद्धों का प्रजनन केरवा केंद्र में हुआ था। इनको छोड़ने के बाद, वन विभाग ने इन गिद्धों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए जीपीएस ट्रैकिंग डिवाइस लगाए थे। वन विभाग के अनुसार एक गिद्ध की मौत जंगली जानवरों के हमले से हुई, जबकि अन्य दो की मौत भूख या अन्य कारणों से हुई। वर्तमान में, केरवा केंद्र में सफेद पीठ वाले 34 और लंबी चोंच वाले 46 गिद्ध हैं। वन विभाग और केंद्र के विशेषज्ञ इन गिद्धों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

भोपाल स्थित केरवा गिद्ध संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र की स्थापना वर्ष 2014 में की गई थी। लगभग साढ़े पांच एकड़ क्षेत्र में फैले इस केंद्र में सफेद पीठ वाले और लंबी चोंच वाले गिद्धों को संरक्षित किया गया है। वर्ष 2017 में इस केंद्र में पहला सफेद पीठ वाला गिद्ध का चूजा अंडे से बाहर आया था, जिससे केंद्र की प्रजनन योजना को सफलता मिली थी। गिद्धों की घटती संख्या को देखते हुए इस संरक्षण पहल की अहमियत और भी बढ़ जाती है। एक समय भारत में गिद्धों की संख्या चार करोड़ से अधिक थी, लेकिन 2000 तक इनकी संख्या में लगभग 99त्न की गिरावट दर्ज की गई। इसके पीछे डाइक्लोफेनेक नामक पशु चिकित्सा दवा को प्रमुख कारण माना गया, जिस पर अब केंद्र सरकार ने प्रतिबंध लगाया है। इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिले हैं - 2021 में मध्यप्रदेश में 9,446 गिद्ध, 2024 में 10,845 गिद्ध, और 2025 की पहली गणना में यह संख्या 12,000 से अधिक पहुंच चुकी है।

उलमा बोर्ड ने पहलगाम हमले के खिलाफ फतवा जारी किया

भोपाल। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद ऑल इंडिया उलमा बोर्ड ने कड़ा रुख अपनाते हुए आतंकवाद के खिलाफ फतवा जारी किया है। बोर्ड के मध्य प्रदेश अध्यक्ष गाजी सैयद अनस अली ने न केवल इस हमले की कड़ी निंदा की, बल्कि केंद्र सरकार से पाकिस्तान के साथ सभी राजनयिक और व्यापारिक संबंधों को समाप्त करने की मांग की है। फतवे में इस हमले को इंसानियत के खिलाफ अपराध बताते हुए कहा गया है कि ऐसे बर्बर कृत्य देश की फिजा को बिगाड़ने का प्रयास हैं, जिनका जवाब पूरी ताकत से दिया जाना चाहिए। अनस अली ने यह भी कहा कि आतंकवाद का इस्लाम से कोई संबंध नहीं है और जो ताकतें इस्लाम के नाम पर खून बहा रही हैं, वे धर्म के दुश्मन हैं। फतवे में पाकिस्तान और उसके समर्थन में खड़े आतंकी संगठनों को स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि भारत इन हमलों को बर्दाश्त नहीं करेगा। साथ ही उन्होंने जनता से अपील की कि देशवासी एकजुट होकर इस संकट का मुकाबला करें और आतंकवाद के खिलाफ मजबूती से खड़े रहें। गाजी सैयद अनस अली ने कहा कि हमारा देश हमारी पहचान है और उसकी एकता और अखंडता से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। पाकिस्तान की आतंकी साजिशों को अब मुंहतोड़ जवाब मिलना चाहिए। बोर्ड के मध्य प्रदेश अध्यक्ष गाजी सैयद अनस अली ने देश की जनता से अपील की कि हम सब पहलगाम के शहीदों के साथ हैं और पाकिस्तान का हर तरीके से बॉयकॉट करते हैं. आतंकवादी जहां भी नजर आएं, उन्हें फौरन खत्म कर दिया जाए, ताकि मासूम और बेगुनाह लोगों की जान बच सके।

डॉक्टरों की कमी पूरी करने में जुटा विभाग

70 साल तक के डॉक्टरों की होगी संविदा नियुक्ति,मांगे प्रस्ताव

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्य प्रदेश के यादातर सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकों की भारी कमी है। चिकित्सकों की कमी पूरी करने के लिए विभाग लगातार भर्तियां कर रहा है। सीनियर डॉक्टरों की कमी पूरी करने के लिए अब विभाग 70 साल तक के चिकित्सकों की संविदा नियुक्ति करने का प्लान बना रहा है। डिप्टी सीएम और लोक स्वास्थ्य व चिकित्सा शिक्षा मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने अफसरों को कैबिनेट के लिए प्रस्ताव तैयार करने को कहा है। राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि सरकार, स्वास्थ्य सेवाओं को जनसामान्य के लिए सुलभ, हाई क्वालिटी लेवल और व्यापक बनाने के लिए कार्य कर रही है। सीनियर डॉक्टर्स के अनुभव, आधुनिक मेडिकल कॉलेजों की व्यवस्था और समय पर नियुक्ति की प्रक्रिया से इसमें सुधार लाने की कवायद की जा रही है। वरिष्ठ चिकित्सकों के विशेषज्ञता का लिया जाएगा

लाभ भोपाल स्थित निवास कार्यालय में शनिवार को उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग से जुड़े विषयों की समीक्षा की। इस दौरान कहा कि प्रदेश में वरिष्ठ चिकित्सकों की विशेषज्ञता का लाभ लिया जाएगा। इसके लिए 70 वर्ष की आयु तक संविदा सेवा देने वाले डॉक्टर्स के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए। प्रस्ताव कैबिनेट अनुमोदन के लिए जाएगा। दरअसल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी पिछले दिनों लोक स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान पदों की भर्ती प्रक्रिया पूरी होने तक सीनियर डॉक्टर्स की सेवाएं लेने के निर्देश विभाग को दिए थे। इसके बाद अब डिप्टी सीएम ने इसके लिए प्रस्ताव तैयार करने को कहा है।

रीवा और इंदौर के मेडिकल कालेज होंगे अपग्रेड

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने रीवा और इंदौर के मेडिकल कॉलेजों के अपग्रेडेशन का प्रस्ताव शीघ्र तैयार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए कॉलेजों का अधोसंरचना विकास, अत्याधुनिक उपकरणों की व्यवस्था अन्य आवश्यक कार्य भी समय से पूर्ण किए जाएं। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग से मेडिकल ऑफिसर और विशेषज्ञ चिकित्सकों की भर्ती प्रक्रिया समय सीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश भी दिए हैं।

चार इमली-रायसेन रोड में आज बिजली कटौती भोपाल के 45 इलाकों में असर

भोपाल। भोपाल के करीब 45 इलाकों में रविवार को 1 से 6 घंटे तक बिजली कटौती होगी। यहां बिजली कंपनी मेंटेनेंस करेगी। जिन इलाकों में बिजली गुल रहेगी, उनमें चार इमली, रायसेन रोड, बरखेड़ी कलां, पटेल नगर, आनंद नगर जैसे कई बड़े इलाके भी शामिल हैं। ऐसे में लोग जरूरी काम पहले से निपटा लें। ताकि, बिजली नहीं होने की वजह से उन्हें परेशान न होना पड़े। इन इलाकों में पड़ेगा असर- सुबह 7 से 8 बजे तक 1250 क्वार्टर, कल्याणी होस्टल, ऊर्जा भवन, 5 नंबर स्टॉप, चार इमली एवं आसपास के इलाके। सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक 11 मिल चौराहा, नंदी चौराहा, नालंदा कॉम्पलेक्स, माखनलाल यूनिवर्सिटी एवं आसपास के इलाके। सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक रेतघाट, चौकी तलैया, हाथीखाना, चार बत्ती चौराहा, चटाईपुरा, इस्लामपुरा, भोईपुरा, हमीदिया कॉलेज, बैंड मास्टर चौराहा, भगवान सहाय रोड एवं आसपास। सुबह 10 से शाम 4 बजे तक सूरज नगर, बरखेड़ीकलां, सेवनिया, गौरा, बिसनखेड़ी, दीनदयाल पारस सिटी, जीआरपी कॉलोनी, मानसरोवर कॉम्पलेक्स, शंकर नगर, बीडीए कॉम्पलेक्स, 7 नंबर स्टॉप, पटेल नगर, आनंद नगर, इशान कॉम्पलेक्स, इशान कॉलोनी, गंधर्व कॉलोनी, ओमेगा कॉलोनी, रायसेन रोड, एनआईबीडी कैम्पस, विजय स्तंभ, रामा कॉम्पलेक्स, महेंद्रा कॉम्पलेक्स, चित्तौड़ कॉम्पलेक्स एवं आसपास।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में पार्टी प्रदेशाध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा

भाजपा की कार्यशैली: अनुशासन, संवाद और सख्त कार्रवाई का संदेश

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि संपर्क व संवाद भारतीय जनता पार्टी की विशिष्ट कार्यपद्धति है। हमारे संगठन में अनुशासनहीनता का कोई स्थान नहीं है, अगर कोई कार्यकर्ता, पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि ऐसा प्रयास करता है, तो उस पर तत्काल कार्यवाही होती है। लव जिहाद करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। ऐसा करने वालों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई होगी जो नजीर बनेगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत आतंकवाद के

ताबूत पर अंतिम कील ठोकेगा। शर्मा ने कहा कि पार्टी अपनी कार्यपद्धति के तहत समय-समय पर अनुशासनहीनता करने वालों से चर्चा करती है। भाजपा प्रदेश कार्यालय में शनिवार को पार्टी के दो महापौर व दो विधायक प्रदीप पटेल व प्रीतम सिंह लोधी से बातचीत हुई है। प्रीतम सिंह लोधी बाहर होने के कारण नहीं आ पाये, बाद में आएंगे। बीना की नगरपालिका अध्यक्ष, देवास की महापौर से बात हुई है और सागर की महापौर आज नहीं पहुंची हैं उन्हें पार्टी नोटिस जारी कर रही है।

बहन-बेटियों को गुमराह करने वाले बख्शे नहीं जाऐंगे

शर्मा ने कहा कि भोपाल में लव जिहाद करने वाली गैंग को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है। उन्होंने कहा कि इस घटना की गहराई में जाएंगे, जो ऐसे तथाकथित समाज विरोधी लोग हैं। जिन्होंने हमारी बहन-बेटियों को गुमराह करके लव जिहाद किया है, उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। इस प्रकरण से जुडे एक-एक अपराधी जहां भी होंगे वह बचेंगे नहीं और उनके खिलाफ ऐसी कार्रवाई होगी कि उन्हें भी पता चलेगा कि ऐसा करने का अंजाम क्या होता है।

आतंकवाद के प्रश्रयदाताओं को मिलेगा करारा जवाब

शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार प्रदेश में रह रहे लगभग 220 पाकिस्तानी नागरिकों को ढूंढ-ढूंढ कर निकाला जा रहा है। कुछ अवैध तौर पर रह रहे हैं, उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। देश की 140 करोड़ जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में कश्मीर में आतंकवाद के प्रश्रयदाताओं को करारा जवाब दिया जाएगा।

भारत आतंकवाद के ताबूत पर अंतिम कील ठोकेगा। शर्मा ने कहा कि देश में नक्सलवाद समाप्त हो गया है, अब कश्मीर में प्रायोजित आतंकवाद भी पूरी तरह से समाप्त होगा। केंद्र सरकार करारा जवाब देने के लिए हर तरह से तैयार है।

सम्पादकीय

पहले जयचंदों को मिटाओ

रक्षा विशेषज्ञ 'कश्मीर के जयचंदों' को, आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई में, बड़ी बाधा मानते हैं। वे संख्या में भी काफी हैं और ताकतवर भी हैं। जब तक इन 'जयचंदों' को मिट्टी में नहीं मिलाया जाएगा, तब तक भारत आतंकवाद का समूल विनाश नहीं कर सकता। ये 'जयचंद' आतंकियों के स्थानीय गिरोह हैं, स्लीपर सेल हैं और पनाहगाह भी हैं।

यकीनन कश्मीर बदला है। पहलगाम में तो सडक़ों पर और होटलों में सन्नाटा पसरा है। दुकानों पर ताले लटके हैं। लोग मानसिक तौर पर आहत हैं, क्योंकि कश्मीरियत के मेहमानों के कत्ल किए गए हैं। उनकी परंपराएं छिन्न-भिन्न हुई हैं। कश्मीर में सैलानियों को इस तरह कभी भी निशाना नहीं बनाया गया। कश्मीर के पेट पर लात मारी गई है। श्रीनगर के ऐतिहासिक 'लाल चौक' पर जो विरोध-प्रदर्शन किए गए, उनमें हिंदू, मुस्लिम, सिख, डोगरा आदि सभी समुदायों के चेहरे दिखाई दे रहे थे। डल लेक पर शिकारे बंद पड़े हैं और वे सामूहिक तौर पर आतंकवाद को खारिज कर रहे हैं। जिन हाथों में कभी पत्थर और 'हिंदुस्तान विरोध' की तख्तियां होती थीं, आज उन हाथों में 'तिरंगा' लहरा रहा है। कारगिल से कन्याकुमारी तक गुस्सा और आक्रोश एक जैसा ही है। प्रधानमंत्री मोदी का यह कथन यकीन दिलाता है कि आतंकवाद ने जब भी मासूम, बेकसूर और निहत्थे लोगों की बर्बर हत्याएं की हैं, तब समूचा भारत एकसूत्र में बंधा दिखाई दिया है। तमाम विपक्षी दलों ने भी सरकार को, आतंकियों के खिलाफ, कोई भी कार्रवाई करने को अधिकृत किया है। सरकार और सुरक्षा-खुफिया तंत्र ने स्वीकार किया है कि सुरक्षा-व्यवस्था में चूक हुई है, लेकिन सर्वदलीय बैठक को ब्रीफ किया गया है कि कुछ टूर ऑपरेटर सैलानियों को बैसरन घाटी के घसियाले मैदान तक ले गए थे और प्रशासन को इसकी जानकारी नहीं दी गई, लिहाजा पुख्ता सुरक्षा बंदोबस्त भी नहीं किए जा सके। पहलगाम के अन्य हॉटस्पॉट के आसपास करीब 500 सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए थे। वहां कोई भी आतंकी घटना नहीं हुई है। यह सरकार के पक्ष की सफाई हो सकती है, लेकिन स्थानीय पुलिस को यह साफ दिख रहा होगा कि बैसरन में हजारों पर्यटक जा रहे हैं। पुलिस आंख नहीं मूंद सकती। बहरहाल अब हमें प्रधानमंत्री मोदी की हुंकार पर भरोसा करना चाहिए कि आतंकियों और उनके आकाओं को उनकी कल्पना से बड़ी सजा दी जाएगी।

आतंकियों की बची-खुची जमीन को मिट्टी में मिलाने का वक्त आ गया है। देश की भावनाओं और उत्साह के मद्देनजर प्रधानमंत्री का ऐसा संबोधन भी बेहद जरूरी है, लेकिन रक्षा विशेषज्ञ 'कश्मीर के जयचंदों' को, आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई में, बड़ी बाधा मानते हैं। वे संख्या में भी काफी हैं और ताकतवर भी हैं। जब तक इन 'जयचंदों' को मिट्टी में नहीं मिलाया जाएगा, तब तक भारत आतंकवाद का समूल विनाश नहीं कर सकता। ये 'जयचंद' आतंकियों के स्थानीय गिरोह हैं, स्लीपर सेल हैं और पनाहगाह भी हैं। एक सूचना सामने आई है कि जो आतंकी 'पहलगाम नरसंहार' का सरगना था, वह बीते 4-5 साल से कश्मीर में सक्रिय है और कोने-कोने से वाकिफ है। स्थानीय खुफिया-तंत्र क्या करता रहा है? हम इस सूचना की पुष्टि नहीं कर सकते, लेकिन जम्मू-कश्मीर में 'आतंकियों के जयचंद' राजनीतिक कार्यकर्ता के तौर पर, रेहड़ी-पटरी वाले कारोबारी के रूप में, सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर मौजूद और सक्रिय हैं, यह खुलासा तो सेवानिवृत्त सैन्य जनरल और पुलिस महानिदेशक स्तर के अधिकारी कर रहे हैं, जिन्होंने अतीत के उग्र और हत्यारे आतंकियों के दौर देखे हैं और उनसे लड़ाई भी की है। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि 'आतंकवाद के जयचंदों' की पूरी सूचियां पुलिस और सेना के पास होती हैं। 'जयचंदों' का निचले स्तर तक जो जाल फैला है, उसकी सम्यक जानकारी होती है। सूचनाओं के आधार पर ये सूचियां तैयार की जाती हैं। इन पर कार्रवाई तभी होगी, जब राजनीतिक नेतृत्व 'हरी झंडी' देगा। रक्षा विशेषज्ञों की सूचनाओं के आधार पर पहले 'जयचंदों' को मिट्टी में मिलाया जाए।

पाकिस्तान को सख्त जवाब जरूरी

जम्मू-कश्मीर से अनुछेद 370 हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में काफी बदलाव आया था। आतंकवाद लगातार सिमट रहा था, शांति का उजाला हो रहा था। वादियां की रौनक बढ़ी और बाजार गुलजार हो उठे थे। श्रीनगर के लालचौक पर मिलजुल कर त्यौहार मनाए जाने लगे थे।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए बर्बर एवं क्रूर आतंकी हमले से सारा देश गम एवं गुस्से में दिख रहा है, वही मोदी सरकार इस बार आर-पार के मूड में दिख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की बैठक के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ पांच बड़े और कड़े फैसले लेते हुए पाकिस्तान पर शिकंजा कसा है, जिससे वह डरा है, सहमा है, घबराया है। इन पंच शिकंजों में 1960 की सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है, राजनयिक मिशन की संख्या घटाई जाएगी, पाकिस्तानी सैन्य राजनयिकों को एक हफ्ते में भारत छोड़ना होगा, पाकिस्तानियों के लिए सार्क वीज़ा रद्द कर दिया गया है और अटारी बॉर्डर को भी तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है। ये कदम जहां आतंकवाद के खिलाफ भारत की कड़ी नीति को दर्शाते हैं वहीं पाकिस्तान को उसकी औकात दिखाने का एक डिप्लोमैटिक स्ट्राइक है, जबकि भीतर-ही-भीतर किसी बड़ी कार्रवाई से इंकार नहीं किया जा सकता। सीमा पार आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान पर दबाव बनाने और भारत की सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में मोदी सरकार से अभी अधिक सख्त कार्रवाई की अपेक्षा है और आशा की जा रही है कि सरकार जनता की अपेक्षाओं से भी दो कदम आगे इस बार बदला लेगी। इस बार की तांडवी टंकार एवं हुंकार पाकिस्तान की न केवल कमर तोड़ देगी, बल्कि उसके नापाक मनसूंबों को हमेशा के लिये नेस्तनाबूद कर देगी। पाकिस्तान ने अब तक भारत की शांति एवं सहयोग भावना को देखा है लेकिन अब हिंसा के लिये हिंसा की खनकार देखेगा। निर्दोषों की हत्या करन वालों, विश्वासघात का मार्ग अपनाने वालों एवं निहत्थों पर कहर बरपाने वालों को अब पता लगेगा कि धर्म एवं शांतिवादियों की ताकत क्या होती है?

पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा के एक संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने निर्दोष पर्यटकों पर किये गये इस कायरतापूर्ण हमले की जिम्मेदारी ली है। इस दुखद घटना ने वर्ष 2008 में दुस्साहसपूर्ण ढंग से मुंबई और भारत को हिलाकर रख देने वाले लश्कर-ए-तैयबा द्वारा रचे गए नरसंहार की याद दिला दी है। यह महज संयोग नहीं कि यह हमला 26/11 के आरोपी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण और पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के भारत विरोधी बयान के बाद हुआ। यह हमला पाकिस्तान की अब तक की सबसे बड़ी भूल एवं अमानवीयता एवं पाशविकता का घिनौना कृत्य बना है। मुनीर ने कश्मीर को अपने देश की 'गले की नस' बताया लेकिन यही नस अब पाकिस्तान का सर्वनाश करेंगी, उसको कड़वे घुंट पीने को विवश करेगी। दाने-दाने को तरसता पाकिस्तान अब त्राहि-त्राहि करते हुए तबाही के कगार पर पहुंचेगा। एक ओर जहां बलूच विद्रोह ने मुनीर व सेना की नींद उड़ा रखी है, अब भारत उसकी नींद ही नहीं, सुख-चैन भी छीन लेगा। गैर मुस्लिमों को निशाना बनाना और वह भी अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी.वेंस की भारत यात्रा के दौरान- यह स्पष्ट करता है कि आतंकवादियों व उनके आकाओं ने भाजपा के नेतृत्व वाली मोदी सरकार को चुनौती दे दी है, सीधे-सीधे ललकारा है। मोदी सरकार को सस्ते में लेने की भूल के परिणाम पाकिस्तान पहले भी भुगत चुका है, उरी (2016) और पुलवामा (2019) की तरह पहलगाम हत्याकांड में बहा निर्दोषों का रक्त व्यर्थ नहीं जायेगा। जिस तरह श्रीकृष्ण को आसूरी शक्तियों के खिलाफ महाभारत रचना पड़ा, उसी तरह मोदी पाकिस्तान के आतंकवाद के खिलाफ कोई बड़े युद्ध की संरचना करके हमेशा के लिये आतंकवाद का सर्वनाश करे।

पहलगाम हत्याकांड के बाद न केवल समूचे देश में बल्कि कश्मीर घाटी में पहली बार गहरा आक्रोश देखने को मिला है। घाटी में 35 साल बाद पहली बार आतंकी हमले के खिलाफ बंद का आयोजन किया गया है। बुधवार को बंद के आह्वान के बाद श्रीनगर में अधिकांश व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। लोग सड़कों में दुख और आक्रोश व्यक्त करते नजर आए और कहा कि यह घटना कश्मीर की अतिथि और शांति की भावना के साथ विश्वासघात है। यह घटना कश्मीरियों की रोजी-रोटी पर कुठाराघात है। यह कश्मीर की शांति को लीलने की कुचेष्ठा है। लश्करे-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन के इस हमले का मकसद पर्यटकों में खौफ पैदा करना और घाटी में सामान्य स्थिति की वापसी को रोकना था। यहां उल्लेखनीय है कि बीते साल जम्मू-कश्मीर में पैंतीस लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे थे। लेकिन पहलगाम जैसी जगह में जहां सत्तर फीसदी लोगों की आजीविका पर्यटन से जुड़ी है, वहां स्थिति सामान्य होने में अब लंबा वक्त लगेगा। आने वाले दिनों के लिये पर्यटकों ने अपनी यात्राएं रद्द कर दी हैं।

जम्मू-कश्मीर से अनुछेद 370 हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में काफी बदलाव आया था। आतंकवाद लगातार सिमट रहा था, शांति का उजाला हो रहा था। वादियां की रौनक बढ़ी और बाजार गुलजार हो उठे थे। श्रीनगर के लालचौक पर मिलजुल कर त्यौहार मनाए जाने लगे थे। बागों में ट्यूलिप के फूल खिल उठे थे। बर्फ की वादियों में मंद-मंद शीतल हवाओं से चिनार के पेड़ झूमने लगे थे। जो देश एवं दुनिया के असंख्य पर्यटकों को खींच रहे थे। उम्मीदें बंध गई थीं कि एक न एक दिन आतंकवाद मुक्त जम्मू-कश्मीर नई सुबह देखेगा लेकिन बढ़ते पर्यटक और मजबूत होती अर्थव्यवस्था पाक को रास नहीं आई। पहलगाम के भयावह हमले ने एक बार फिर सबको खौफजदा कर दिया। जम्मू-कश्मीर में शांति, सौहार्द और विकास पाकिस्तान में बैठे आतंक के आकाओं को नागवार गुजर रहा था। इसलिए पाकिस्तान की सेना, सेना प्रमुख तौकिर मुनीर, उसकी खुफिया एजैंसी आईएसआई और आतंकवादी संगठनों ने मिलकर ऐसी साजिश रच डाली, जिसने उनके धर्म को धुंधलाने एवं शर्मसार करने के साथ पाकिस्तानी इरादों को भी बेनकाब कर दिया।

पाकिस्तान को जवाब देने की तैयारी व्यापक स्तर पर हो रही है, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या भारत ऐसी कोई बड़ी कार्रवाई कर सकेगा, जिससे वह सही रास्ते पर आ जाए? पहलगाम का आतंकी हमला भारत की चेतना और उसकी अस्मिता पर किया गया भीषण हमला है। इस हमले के द्वारा भारत को ललकारा गया है। अब पाकिस्तान को उसी की भाषा में सबक सिखाने के लिए सभी विकल्पों पर विचार होना ही चाहिए। यदि युद्ध अपेक्षित हो तो उसे भी अंजाम देना चाहिए। उसकी परमाणु हमले की धमकियों से आखिर कब तक डरा जायेगा? इसी के साथ इस पर भी मंथन हो कि आखिर पहलगाम में आतंकी इतनी आसानी से इतने लोगों को मारने में सफल कैसे हो गए? सीमा पार से आतंकियों की घुसपैठ एवं सक्रियता जारी थी। ऐसे में भारत सरकार, सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों को और सतर्क रहना चाहिए था। यह मानने के पर्याप्त कारण हैं कि कश्मीर में जब बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंच रहे थे, तब वहां जैसी चौकसी बरती जानी चाहिए थी, उसका अभाव क्यों देखने को मिला?

जिस तरह से धर्म और नाम पूछकर आतंकवादियों ने हिन्दुओं का नरसंहार किया उससे समूचा राष्ट्र आक्रोश में है। भारत की बेटी जिस की हाथों की मेहंदी का रंग भी अभी फीका नहीं हुआ था और तीन दिन पहले ही उसकी शादी हुई थी, उसकी अपने पति भारतीय नौसेना के लेफ्टीनेंट विनय नरवाल के शव के साथ तस्वीर देखकर समूचे देश का दिल दहल गया। हैदराबाद के आईबी अधिकारी मनीष रंजन को पत्नी और बचों के सामने मार दिया गया, ऐसे ही दर्दनाक दृश्य चारों ओर बिखरे थे। यह हमला वैसा ही जैसा हमास के आतंकवादियों ने इजराइल पर किया था। आज समूचा राष्ट्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ?खड़ा है। हर देशवासी चाहता है कि पाकिस्तान को?ऐसा सबक सिखाया जाए जैसा इजराइल ने हमास को सिखाया है। बहरहाल, इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद केंद्र सरकार ने युद्धस्तर पर कार्रवाई प्रारंभ कर दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार में तीव्र गर्जना करते हुए पाकिस्तान को सबक सिखाने का संकल्प व्यक्त किया है। गृहमंत्री अमित शाह ने आतंकवाद के आगे घुटने न टेकने की बात कहीं है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमलावरों को यथाशीघ्र कड़ा जवाब दिया जाएगा। लेकिन अब घाटी की उन आवाजों को भी बुलंद करना चाहिए जिन्होंने हिंसा को खारिज करके मानवता, देश की एकता एवं घाटी की शांति को चुना है।

आतंकवाद के खिलाफ अमरीका का ढुलमुल रवैया भारत के लिए चुनौती

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले 26 से अधिक पर्यटक मारे गए। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकियों ने यह हमला ऐसे समय में किया जब अमरीका के उपराष्ट्रपति जेडी वेन्स अपनी भारतीय मूल की पत्नी उषा और बचों के साथ भारत की यात्रा पर थे। इस हमले के पीछे पाकिस्तान का निहितार्थ इस यात्रा में विघ्न डाल कर कश्मीर के मुद्दे पर विश्व का ध्यान आकर्षित करना था। पाकिस्तान इस तरह के कुत्सित प्रयास पूर्व में भी कर चुका है। बेरोजगारी, भारी भरकम कर्जा और घरेलू आतंकवाद से त्रस्त पाकिस्तान ने इन समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए वेन्स की यात्रा के दौरान हमला करवाने के समय का चुनाव किया। अमरीका सहित विश्व के तकरीबन सभी देशों ने इस हमले की तीखी निंदा की। सवाल यही है कि क्या अमरीका सिर्फ निंदा तक ही सीमित रहेगा। पूर्व में भी इसी तरह के पाक प्रायोजित हमले के दंश भारत झेलता रहा है। जब कभी भी ऐसे हमले हुए हैं, अमरीका ने सिर्फ घडिय़ाली आंसू ही बहाए हैं। सही मायने में तो अमरीका चाहता ही नहीं है कि पाकिस्तान पर ऐसी आतंकी वारदातों को रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई करे। यही वजह है कि अन्य देशों की तरह अमरीका भी सिर्फ सहानुभूति जता कर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर लेता है। अमरीका बेशक इन हमलों के लिए सीधा जिम्मेदार नहीं हो, किंतु पाकिस्तान के साथ उसके सैन्य रिश्ते कहीं न कहीं आतंकवाद को प्रोत्साहित करते नजर आते हैं। यह पहला मौका नहीं है जब किसी अमरीकी विशिष्ट व्यक्ति के भारत दौरे के दौरान आतंकी वारदात हुई है। 20 मार्च 2000 की रात को पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों ने जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के चिट्टीसिंहपोरा गांव में 36 सिख ग्रामीणों का नरसंहार किया था। यह घटना अमरीकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की 21-25 मार्च की यात्रा से ठीक पहले हुई थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने क्लिंटन के सामने हमले के पीछे पाकिस्तान का हाथ होने का मुद्दा उठाया था। उस समय क्लिंटन जयपुर और आगरा के दौरे पर थे, जबकि विदेश मंत्री मैडलिन अलब्राइट और उप विदेश मंत्री स्ट्रोब टैलबोट भारतीय अधिकारियों से बातचीत करने के लिए दिल्ली में ही थे। वर्ष 2002 में जब दक्षिण एशियाई मामलों को लेकर अमरीकी असिस्टेंट सेक्रेटरी क्रिस्टीना बी रोका भारत की यात्रा पर थीं, तब 14 मई 2002 को जम्मू-कश्मीर के कालूचक के पास एक आतंकवादी हमला हुआ। तीन आतंकवादियों ने मनाली से जम्मू जा रही हिमाचल रोडवेज की बस पर हमला किया और सात लोगों की हत्या कर दी। इसके बाद आतंकी आर्मी क्वार्टर्स में घुस गए और अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें 10 बचों, आठ महिलाओं और पांच सैन्य कर्मियों सहित 23 लोग मारे गए। मारे गए बचों की उम्र चार से 10 साल के बीच थी और इस हमले में कुल 34 लोग घायल हुए थे। इन आतंकी हमलों से जाहिर है कि पाकपरस्त आतंकियों ने हमला करने के लिए ऐसे वक्त का चुनाव किया जबकि कोई न कोई प्रमुख अमरीकी भारत यात्रा पर आया हो। आश्चर्य की बात यह है कि इन हमलों के बावजूद अमरीका ने कभी पाकिस्तान के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं की। कहने को अमरीका भारत को महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार बताता है, किंतु हकीकत में उसका उद्देश्य सिर्फ व्यावसायिक हित साधना भर रहा है। अमरीका के व्यावसायिक हित सर्वोपरि हैं। भारत के भारी विरोध के बावजूद अमरीका ने पाकिस्तान को घातक एफ-16 लड़ाकू विमानों की बिक्री की। इतना ही नहीं, इनकी मरम्मत के नाम पर लाखों डालर की मदद भी अमरीका करता रहा है। अमरीका ने भारत के विरोध को नजरअंदाज करते हुए यह सैन्य मदद दी। अमरीका न सिर्फ भारत से दुश्मनी साधे हुए पाकिस्तान की हरसंभव मदद करता रहा है, बल्कि विदेशी धरती से भारत के खिलाफ साजिश करने वाले लोगों और देशों का सहयोग भी करता रहा है। कनाडा में आतंकी हरदीप सिंह निजर की हत्या के मामले में अमरीका ने कनाडा की पैरवी की। कनाडा फाइव आईज का सदस्य है। फाइव आईज में कनाडा के अहम सहयोगी अमरीका ने पिछले साल निजर हत्याकांड में भारतीय एजेंट्स की कथित संलिप्तता के कनाडा के आरोपों पर टिप्पणी की थी। अमरीकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा था कि हमने साफ कर दिया है कि कनाडा के आरोप बेहद ही गंभीर हैं, जिन्हें गंभीरता से लिया जाना चाहिए। हम चाहते थे कि भारत कनाडा की जांच में सहयोग करे, लेकिन भारत सहयोग नहीं कर रहा। इसके बजाय भारत ने एक वैकल्पिक रास्ता चुना है। इतना ही नहीं, अमरीका से भारत को आतंकी कार्रवाई की धमकी देने वाले खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एयर इंडिया की फ्लाइट को उड़ाने की धमकी दी। इस पर भी अमरीका ने जानबूझ कर नकेल नहीं कसी। हाल ही में अमरीका की ओर से जारी किए गए बयानों में भी यह साफ किया जा चुका है कि वह पाकिस्तान को भारत या अफगानिस्तान के नजरिए से नहीं देखता है। अमरीका की ओर से कहा गया कि वह भारत, चीन, ईरान, अफगानिस्तान से सीमा साझा करने वाले परमाणु सशक्त पाकिस्तान को एक महत्वपूर्ण देश समझता है। अमरीकी विदेश मंत्रालय का कहना है कि अमरीका पाकिस्तान के साथ कई मुद्दों पर साथ मिलकर काम कर रहा है। इन मुद्दों में ऊर्जा, कारोबार, निवेश, स्वास्थ्य, क्लीन एनर्जी, क्लाइमेट संकट से बचाव, अफगानिस्तान में स्थिरता और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई शामिल है। अमरीकी विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान में विदेशी निवेश का सबसे बड़ा योगदान अमरीका का है। साथ ही पाकिस्तान का सबसे बड़ा निर्यात बाजार भी है।

भारत से दोस्ती का दंभ भरने वाले अमरीका ने पाकिस्तान को आतंकी पालने पर कभी भी सख्त कार्रवाई नहीं की। इसके विपरीत भारत की तरक्की और परमाणु क्षमता अमरीका को तब तक खटकती रही, जब तक भारत ने दोनों क्षेत्रों में विश्व में अपना लोहा नहीं मनवा दिया। भारत ने चाबहार पोर्ट को लेकर ईरान के साथ समझौता किया है।

सिंधु जल संधि का निरसनः पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की कूटनीतिक प्रतिक्रिया

22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले ने पूरे भारत को झकझोर कर रख दिया। इस हमले में 26 निर्दोष पर्यटकों की जान चली गई, जिनमें अधिकांश हिंदू तीर्थयात्री थे। हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के छद्म संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' ने ली है। इस घटना ने भारत-पाकिस्तान संबंधों में नई दरार पैदा कर दी है और भारत सरकार ने इसके जवाब में कई कठोर कदम उठाए हैं, जिनमें 1960 की सिंधु जल संधि का निलंबन प्रमुख है। सिंधु जल संधि- यह संधि 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुई थी, जिसकी मध्यस्थता विश्व बैंक ने कराई थी। इसके तहत पूर्वी नदियाँ (रावी, व्यास, सतलुज) के जल का पूर्ण अधिकार भारत को सौंपा गया। जबकि पश्चिमी नदियाँ (सिंधु, झेलम, चिनाब) का अधिकांश जल पाकिस्तान को उपयोग के लिए दिया गया, हालांकि भारत को भी इन नदियों पर सीमित सिंचाई, घरेलू और पनबिजली उपयोग की अनुमति दी गई, बशर्ते कि वह जल प्रवाह में कोई बाधा न डाले।

भारत द्वारा संधि का निलंबन- पहलगाम हमले के बाद, भारत सरकार ने पाकिस्तान पर आतंकवाद को प्रायोजित करने का आरोप लगाते हुए सिंधु जल संधि को निलंबित करने का निर्णय लिया। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने घोषणा की कि यह निलंबन तब तक प्रभावी रहेगा जब तक पाकिस्तान आतंकवाद का समर्थन करना पूरी तरह से बंद नहीं करता।

भारत को संभावित लाभ

1. जल संसाधनों का अधिकतम उपयोग - भारत पश्चिमी नदियों का अधिक पानी सिंचाई, औद्योगिक और घरेलू जरूरतों के लिए प्रयोग कर सकता है। जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों को विशेष लाभ होगा।
2. बिजली उत्पादन में वृद्धि - *run-of-the-river* पनबिजली परियोजनाओं के साथ-साथ बड़े बाँध भी बनाए जा सकते हैं, जो ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाएंगे।
3. कृषि में वृद्धि- नए क्षेत्रों में खेती के लिए पानी मिलेगा, जिससे खाद्यान्न उत्पादन बढ़ सकता है।
4. रणनीतिक दबाव -पानी एक *strategic weapon* की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है, खासकर जब पाकिस्तान भारत के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों का समर्थन करता है।

पाकिस्तान को संभावित नुकसान

1. खेती पर जबरदस्त विपरीत प्रभाव - पंजाब और सिंध प्रांत पाकिस्तान के मुख्य कृषि क्षेत्र हैं, जो सिंधु, झेलम और चिनाब पर निर्भर हैं। पानी की कटौती से फसलें सूख सकती हैं, खाद्यान्न उत्पादन में भारी गिरावट आएगी।
2. पानी की किल्लत और सामाजिक अस्थिरता - गर्मियों में पीने के पानी की भारी किल्लत हो सकती है, जिससे सामाजिक तनाव और अशांति बढ़ सकती है।
3. आर्थिक संकट - कृषि पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था में 20% से अधिक योगदान देती है। पानी की कमी से जीडीपी पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ेगा।
4. आंतरिक विद्रोह और असंतोष - सिंध और बलूचिस्तान जैसे इलाकों में पानी को लेकर विद्रोह भड़क सकते हैं, जो पाकिस्तान की एकता को खतरे में डाल सकते हैं।

व्यावहारिक चुनौतियाँ और सीमाएँ

1. जलाशयों की कमी- भारत के पास पश्चिमी नदियों पर पर्याप्त जलाशय नहीं हैं। इसलिए, बरसात के मौसम में अतिरिक्त जल को रोकना कठिन हो सकता है, जिससे बाढ़ का खतरा बढ़ सकता है। सिंधु, झेलम, चिनाब जैसी नदियों पर बड़े *Reservoirs* बहुत सीमित हैं। भारत को अगर वास्तव में पानी रोकना है तो बड़े पैमाने पर बाँध, जलाशय और नहरें बनानी पड़ेंगी, जिसमें कई साल लग सकते हैं। बिना *Reservoirs* के बरसात के मौसम में पानी को रोकना संभव नहीं है और वह अनियंत्रित रूप से पाकिस्तान में बह जाएगा।
2. अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया- संधि का एकतरफा निलंबन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि को प्रभावित कर सकता है और पाकिस्तान इसे युद्ध की कार्रवाई के रूप में प्रस्तुत कर सकता है , जो कि वह कर चुका है ।
3. चीन का प्रतिउत्तर- यदि भारत संधि को निलंबित करता है, तो चीन भी ब्रह्मपुत्र और अन्य नदियों के जल प्रवाह को नियंत्रित कर सकता है, जिससे भारत के पूर्वोत्तर राज्यों पर प्रभाव पड़ सकता है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा सिंधु जल संधि का निलंबन एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक कदम है, जो पाकिस्तान पर दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा है। हालांकि, इस निर्णय के दीर्घकालिक प्रभावों और अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया को ध्यान में रखते हुए, भारत को संतुलित और रणनीतिक दृष्टिकोण अपनाना होगा और भारत ताकि क्षेत्रीय स्थिरता बनी रहे और आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

(राजीव खरे ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ़)

कटनी के कचरा प्लांट में हुआ दर्दनाक हादसा

लोहे के पाट के नीचे दबकर महिला और बच्चे की मौत

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, कटनी शहर के कचरा प्लांट में शनिवार को दर्दनाक हादसा हो गया। कचरा बीनने के दौरान भारी लोहे के पाट के नीचे दबकर एक महिला और एक बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान गीता वंशकार और उनके पोता युवराज वंशकार के रूप में हुई है। इलाके के पार्षद विनोद यादव के मुताबिक, तेज आंधी-तूफान के चलते कचरे के ढेर के पास भारी लोहे के पाट अचानक पलट गया जिसकी चपेट में

आकर महिला और बच्चा दब गए और उनकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही माधवनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवा दिया गया है। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और लोगों की भीड़ जमा हो गई।पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हादसे के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

भगत सिंह वर्मा ने कहा

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 26 जिलों को मिलाकर पृथक पश्चिम प्रदेश का निर्माण किया जाए

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर। देवबंद, देवबंद सिविल बार एसोसिएशन के बार रूम में पृथक पश्चिम प्रदेश निर्माण व हाई कोर्ट की मांग को लेकर अधिवक्तागण की बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा ने कहा कि आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश की 8 करोड़ जनता की उन्नति के लिए 26 जिलों को मिलाकर पृथक पश्चिम प्रदेश का निर्माण किया जाए। उत्तर प्रदेश देश ही नहीं दुनिया का सबसे बड़ा राज्य है। दुनिया के मात्र तीन देश जनसंख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश से बड़े हैं। चीन भारतवर्ष व व संयुक्त राष्ट्र अमेरिका। संयुक्त राष्ट्र अमेरिका की जनसंख्या 35 करोड़ है और वहां पर 50 राज्य हैं। जबकि अकेले उत्तर प्रदेश की जनसंख्या 25 करोड़ है। बड़ा राज्य होने के कारण यहां कानून व्यवस्था चौपट हो गई है। पूरा राज्य गरीबी, महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और गुंडागर्दी की चपेट में है। देश और उत्तर प्रदेश की उन्नति के लिए उत्तर प्रदेश को चार भागों मे बांटकर पृथक पश्चिम प्रदेश के 24 जिलों को मिलाकर पृथक पश्चिम प्रदेश का निर्माण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। पृथक पश्चिम प्रदेश बनने पर यहां शिक्षा, चिकित्सा, अंतरराष्ट्रीय स्तर की होगी और सभी को निश्शुल्क होगी। शिक्षित, बेरोजगार, युवाओं को सरकारी व प्राइवेट नौकरी होगी और प्रति व्यक्ति वार्षिक आय पृथक राज्य में लक्जमबर्ग कतर सिंगापुर देश से भी अधिक होगी। आज बड़ा राज्य होने के कारण उत्तर प्रदेश में प्रति व्यक्ति वार्षिक आय मात्र ?90000 वार्षिक है। जबकि छोटे राज्य हरियाणा में प्रति व्यक्ति वार्षिक आय 4 लाख रुपए से भी अधिक है। छोटे-छोटे राज्यों के निर्माण से देश की उन्नति भी संभव है। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि 45 वर्ष से पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अधिवक्ता गण मेरठ में हाई कोर्ट की बेंच की स्थापना के लिए संघर्ष कर रहे हैं। लेकिन पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 80त्न राजस्व सरकार को देने के बावजूद भी आज तक मेरठ में हाई कोर्ट बेंच की भी स्थापना नहीं की गई है। जो पश्चिमी उत्तर प्रदेश की 8 करोड़ जनता के लिए सरासर अन्याय है। अब समय आ गया है कि पश्चिम उत्तर प्रदेश के किसान, मजदूर, व्यापारी, दुकानदार, उद्योगपति, बुद्धिजीवी, पत्रकार, छात्र और युवा शक्ति को पृथक पश्चिम प्रदेश निर्माण के लिए संघर्ष करना होगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखकर उत्तर प्रदेश को चार भागों में बांटकर पृथक पश्चिम प्रदेश का निर्माण करने के लिए राज्य पुनर्गठन आयोग गठित करने की मांग की। बैठक की अध्यक्षता करते हुए बार एसोसिएशन देवबंद के अध्यक्ष नरेश कुमार एडवोकेट ने कहा कि अब हमें हाईकोर्ट की बेंच नहीं मेरठ में पूरा हाई कोर्ट चाहिए। अब तक लगातार केंद्र सरकार व पूर्वांचल के नेताओं ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश की जनता की घोर अनदेखी की है। भारी राजस्व देने के बावजूद भी यहां अभी तक हाई कोर्ट की बेंच स्थापित करने के बारे में भी नेताओं ने नहीं सोचा है। अध्यक्ष नरेश कुमार एडवोकेट ने कहा कि अब हमें सभी को एकजुट होकर पृथक पश्चिम प्रदेश निर्माण के लिए संघर्ष कर रहे पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा के साथ संघर्ष करना होगा। जब हमारा पश्चिम प्रदेश अलग राज्य होगा तो मेरठ में ही राजधानी और हाई कोर्ट भी होगा। बैठक का संचालन बार एसोसिएशन देवबंद के सचिव मोहम्मद मुरसलीन एडवोकेट ने किया। बैठक को पूर्व अध्यक्ष सुरेश चंद त्यागी एडवोकेट, मोहम्मद हादी खान एडवोकेट, बालेश्वर प्रसाद एडवोकेट, रामकिशन सैनी एडवोकेट ने संबोधित किया। बैठक में रंजीत एडवोकेट, बाल किशोर त्यागी एडवोकेट, आदेश त्यागी एडवोकेट, रणवीर सिंह एडवोकेट, सद्दाम राव एडवोकेट, चौधरी आर्मी एडवोकेट, सुनील रोड एडवोकेट, करमजीत सिंह एडवोकेट, विनय कुमार एडवोकेट, अमित सिंघल एडवोकेट, कंवरपाल एडवोकेट, अशोक कुमार एडवोकेट, फैजल एडवोकेट, आदित्य कुमार एडवोकेट, सुशील कुमार एडवोकेट, विजेंद्र कुमार एडवोकेट, सुनील त्यागी एडवोकेट, अनुपम विशिष्ट एडवोकेट, अजीत सिंह एडवोकेट, नरेश रोड एडवोकेट, पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के मंडल उपाध्यक्ष कृपाल सिंह, जिला महामंत्री विशाल त्यागी, केसर आलम, धर्मपाल चौधरी आदि ने भाग लिया।

देवबंद कोतवाली क्षेत्र के जड़ौदा जट्ट गांव में चल रही लाइसेंसी पटाखे की फैक्ट्री में हुआ जबरदस्त विस्फोट, तीन लोगों की हुई मौत

पुलिस-प्रशासनिक अधिकारी और फॉरेंसिक टीम पहुंची मौके पर, लोगों ने लगाया हाईवे पर जाम

गौरव सिंघल। सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, देवबंद कोतवाली क्षेत्र के जड़ौदा जट्ट गांव में चल रही लाइसेंसी पटाखे की फैक्ट्री में आज सुबह करीब 6:30 बजे विस्फोट हो गया। विस्फोट की आवाज से वहां जबरदस्त हड़कंप मच गया। इसके बाद काफी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और बाद में सहारनपुर के आला पुलिस-प्रशासनिक अधिकारी और फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंच गई। मौके पर पहुंचे जिलाधिकारी मनीष बंसल ने पत्रकारों को बताया कि फैक्ट्री के संचालक तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। विस्फोट में तीन लोगों की मौत हो गई है। जिनमें राहुल कुमार पुत्र रामकुमार (25) निवासी गांव फतेहपुर, विशाल पुत्र संदीप कुमार (22) गांव गुनारसा, विकास पुत्र राजबल (20) निवासी जडौदाजट्ट शामिल है।मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। बताया जा रहा है कि विस्फोट से लोगों

के चीथडे उड गए।

घटना से आक्रोशित आसपास के गांव के लोगों ने हाईवे पर जाम लगा दिया। पुलिस- प्रशासनिक अधिकारी लोगों को समझाने-बुझाने में लगे हुए है। बताया जा रहा है कि फैक्ट्री ईगल फायर वर्क्स के नाम से संचालित थी। जिसे तीन लोग चला रहे थे। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने बताया कि फैक्ट्री को पटाखों के लिए लाइसेंस मिला हुआ था। वास्तविकता में वहां किस प्रकार के पटाखों का निर्माण किया जा रहा था। वह फोरेंसिक टीम और जांच के बाद पता चलेगा।

विस्फोट का कारण अभी पता नहीं चल सका है। जिसकी जांच की जा रही है। मौके पर जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल, एसएसपी सहारनपुर रोहित कुमार साजवान, एडीएम प्रशासन डॉक्टर अर्चना द्विवेदी, एडीएम वित्त एवं राजस्व रजनीश कुमार मिश्र, मुख्य अग्निशमन अधिकारी, एसडीएम देवबंद युवराज सिंह, सीओ देवबंद रविकांत पाराशर, देवबंद कोतवाली प्रभारी धर्मेन्द्र कुमार सोनकर मौके पर मौजूद है।

पन्ना के अमानगंज में खेल में प्रतिभा बन छात्रों को पुरस्कार वितरण कर सम्मानित किया गया

रामनरेश विश्वकर्मा । सिटी चीफ पन्ना, अमानगंज प्रतिनिधि शासकीय बालक शाला हायर सेकेंडरी स्कूल अमानगंज में आज दिनांक 25 अप्रैल दिन शुक्रवार को 11:00 बजे गुनौर विधानसभा के लोकप्रिय विधायक डॉ राजेश वर्मा के द्वारा नगर अमानगंज में प्रतिभा बन छात्रों को पुरस्कार वितरण कर सम्मानित किया गया जिसमें अमानगंज के खेल क्रिकेट में आगे बढ़ाने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया इस मौके पर विधायक गुनौर राजेश वर्मा नगर परिषद अध्यक्ष सारिका खटीक मुख्य नगर पालिका अधिकारी राममिलन तिवारी भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं की उपस्थित रही

संत शिरोमणि सेनजी महाराज की 725 वी जयंती धूमधाम से मनाई

पिपलौदा । सेन समाज द्वारा संत शिरोमणि सेनजी महाराज की 725 वी जन्मजयंती धूमधाम हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। नगर के प्राचीन श्री राम जानकी मंदिर बाबाजी का कुआं पर आयोजित समारोह में सर्वप्रथम सेनजी महाराज के चित्र पर मालार्पण व दीपप्रज्वलन किया साथ ही प्रतिभाओं, वरिष्ठजनों व महंत का सम्मान किया गया। साथ ही सेन समाज द्वारा श्री राम जानकी मंदिर अखिल भारतीय श्री पंच मालाधारी अखाड़ा के महंत बालमुकुंद दास महाराज एवं सेन समाज के वरिष्ठ चतुर्भुज भाटी का साल श्रीफल भेट कर सम्मान किया गया।

इन प्रतिभाओं का किया सम्मान

स्वर्गीय मिथलेश चतुर्भुज भाटी परिवार द्वारा समाज की प्रतिभाओं जिन्होंने कक्षा 10 वी 12 वीं एवं कॉलेज में 60 प्रतिशत से ज्यादा अंक प्राप्त किये हो या क्षेत्र में समाज का नाम रोशन किया हो उनका सम्मान किया जिसमे समाज के रमेश परमार, धनेश्वर परमार, अतुल गौड़, मंजूबाला गौड़, मनोहर परमार, अरुण कुमार भाटी, गौरव टांकवाल, विशाल परमार, अर्चिता गौड, जीत डाबी, आराधना परमार, मनीष परमार, रूपेश गेहलोद, सृष्टि परमार, पूर्वी परमार, दिशा भाटी, योगिता गेहलोद, खुशी भाटी आदि को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

आतंकी हमले की निंदा कर मृतकों को दी श्रद्धांजलि

पहलगाम में हुवे आतंकी हमले में पर्यटको की बेरहम हत्या किए जाने के विरोध में सेन समाज के बंधुओं ने सामूहिक रूप से कड़ा विरोध जताया एवं दो मिनट का मौन रख सभी मृत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की साथ ही उपस्थित समाजजनों ओर महिलाओं ने महाआरती कर भोजन प्रसादी का लाभ लिया।

समारोह में इनकी रही उपस्थित

कार्यक्रम में समाज के गोपाल गौड़, बाबूलाल भाटी, रामगोपाल परमार, कैलाश गेहलोद, प्रेमनारायण भाटी, छोगालाल परमार, अशोक गेहलोद , संजय भाटी, शालिग्राम परमार, कांतिलाल राठौड़, ईश्वर परमार, राकेश गौड़ ,आशीष परमार, रमेश गेहलोद (जियाजी), गौरव टांकवाल,सचिन सेन (अयाना), कुलदीप सेन (कमलाखेड़ा), रितेश सेन (अयाना), भावेश सेन (पिण्डवासा), मनीष सेन (नांदलेटा), अशोक परमार, पवन परमार, लोकेश परमार, दीपक परमार, अश्विन गौड, पीयूष भाटी, सुमित परमार, भूपेंद्र परमार, एवन परमार, चिंटू गेहलोद, दीपक भाटी, राहुल परमार, मनीष, हर्षित परमार, कृष्णा भाटी, लक्की, केशव परमार, आशीष, अरुण, निखिल राठौड़, शेखर गेहलोद उपस्थित थे। संचालन विशाल परमार (बंटी) ने किया आभार रमेश परमार ने माना।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अमानगंज द्वारा पहलगाम में आतंकी हमले में शहीद दिवंगत आत्माओं को दी श्रद्धांजलि

रामनरेश विश्वकर्मा । सिटी चीफ पन्ना, मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी एवं जिला कांग्रेस कमेटी पन्ना के दिशा निर्देशन पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अमानगंज के तत्वाधान में गांधी चौक पुराना बस स्टैंड अमानगंज में आज दिनांक 26April 2025 को पन्ना जिला कांग्रेस संगठन सह प्रभारी माननीय भूपेंद्र राहुल जी की उपस्थिति में 22 April 2025 को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले में निर्दोष पर्यटकों के मारे जाने बेहद निंदनीय और दिल दहलाने वाली है हमले में शहीद दिवंगत आत्माओं को शांति हेतु ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अमानगंज के कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा कैंडल जलाकर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित कर कोटि-कोटि नमन किया पहलगाम में आतंकियों ने देश की एकता भाईचारे को निशाना बनाया बेहद निंदनीय उपस्थित कांग्रेस वक्ताओं ने भारत सरकार से मांग की हमले में निर्दोष शहीद आत्माओं को अमर शहीदो का दर्जा दिया जाना चाहिए सरकार को ठोस कदम उठाए जाने की जरूरत है कांग्रेस पार्टी आम जनता सेना व सरकार के साथ खड़ी है जिसमें प्रमुख रूप से पन्ना जिला कांग्रेस संगठन सह प्रभारी माननीय भूपेंद्र राहुल ब्लाक कांग्रेस कमेटी अमानगंज अध्यक्ष भभूत सिंह राजपूत नगरपरिषद अमानगंज उपाध्यक्ष सौरभ दुबे कांग्रेस पिछड़ा वर्ग जिला अध्यक्ष राजबहादुर पटेल पूर्व उपाध्यक्ष नगर परिषद अमानगंज रामस्वरूप छिरौलया पूर्व पार्षद अश्विनी कुमार भटनागर कार्यवाहक ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष जवाहरलाल पटेल डॉ बलवान सिंह राजपूत दिनेश पांडे मंडलम अध्यक्ष मुकेश द्विवेदी बसीम खान सतीश दुबे सेक्टर अध्यक्ष अभिषेक दुबे कन्हैयालाल ताम्रकार पूर्व पार्षद मदारी आदिवासी धूराम चौधरी बीरेंद्र खटीक आदि आम जनमानस उपस्थित रहे.

गागलहेड़ी में विद्यार्थियों का आतंकवाद और पाकिस्तान के खिलाफ कैंडल मार्च

विद्यार्थियों ने फूंका पाकिस्तान का पुतला, दी श्रद्धांजलि

गौरव सिंघल । सिटी चीफ गागलहेडी । सहारनपुर, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के विरोध में पायस एजुकेशनल ग्रुप की दोनों संस्थाओं के विद्यार्थियों ने नगर में कैंडल मार्च निकालकर ज्योतिबा फुले चौक पर आतंकवाद और पाकिस्तान का पुतला फूंका। समस्त विद्यार्थी पाकिस्तान मुर्दाबाद, 29 के बदले 2900, मोदी जी भारतीय फौज की ताकत दिखाओ पाकिस्तान को नक्शे से मिटाओ, कर लो कोशिश लाख मगर हम हार नहीं मानेंगे तुमने मारे 29 हमारे हम 2900 तुम्हारे मारेंगे, पहलगाम में किया जो तुमने सबक तुम्हें सिखाएंगे दुनिया के कोने-कोने से हम आतंकवाद को मिटाएंगे, आतंकवादियों का खात्मा करने में देशभक्ति के नारो के साथ स्कूल परिसर से ज्योतिबा फुले चौक तक गए विद्यार्थियों द्वारा घटना की निंदा करते हुए भारत सरकार से कड़ी कार्रवाई की मांग की गई। गागलहेडी के ज्योतिबा फुले चौक पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर हमले में मारे गए पर्यटकों की याद में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। प्रबंधक पंकज गर्ग ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि धर्म किसी को हिंसा करना नहीं सिखाता। कुछ कट्टरपंथियों ने हिंसा को ही अपना धर्म मान लिया है। भारतीय फौज को उन्हें सबक सिखाना चाहिए।

प्रधानाचार्य मनोज यादव ने कहा कि आतंकवादी किसी के सगे नहीं है। पर्यटकों के ऊपर किया गया यह हमला पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों के लिए अत्यंत ही घातक साबित होगा। कोऑर्डिनेटर पारुल सचदेवा ने आतंकी घटना को मानवता पर सीधा हमला बताते हुए कहा कि निर्दोषों को निशाना बनाना कायरता की पराकाष्ठा है। आदित्य पांडे एवं समद ने देशभक्ति के नारे लगवाकर बच्चों में जोश भरा। इस दौरान कुलदीप, महेश, रोहन यादव, शोभित गुप्ता, दीपक, दीपचंद, मनीष शर्मा, मुकुल धीमान, आशीष, फरीन, सारिका शर्मा, मानसी, आशा, शिवानी, मेनका यादव, मोनिका आदि उपस्थित रहे।

आम जनमानस को प्लेकार्ड के माध्यम से एक राष्ट्र

एक चुनाव के बारे में जागरूक किया गया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला सहारनपुर द्वारा विधानसभा देवबंद के अंतर्गत नगर देवबंद में एक राष्ट्र, एक चुनाव की मांग के तहत जिला महामंत्री वैभव अग्रवाल, विधानसभा संयोजक अनिरुद्ध सिंह, मुखिया मंडल अध्यक्ष भाजपा अरुण गुप्ता, मंडल अध्यक्ष युवा मोर्चा शुभम त्यागी, महामंत्री शिवम शर्मा, आकाश पुंडीर, उपाध्यक्ष भानु खुराना, अंशुल, वासु राणा आदि साथियों के साथ आम जनमानस को प्लेकार्ड के माध्यम से एक राष्ट्र, एक चुनाव के बारे में जागरूक किया गया। देश के युवा, छात्र-छात्राएं अब जागरूक हैं और एक राष्ट्र, एक चुनाव जैसी दूरदर्शी पहल के महत्व को समझते हैं। यह न सिर्फ लोकतंत्र को मजबूत करेगा, बल्कि देश की ऊर्जा और संसाधनों की बचत भी करेगा।

धार चाणक्यपुरी कॉलोनी वासियों ने किया विरोध

टंकी का स्थान सही नहीं, चाणक्यपुरी कालोनी के रहवासियों ने किया विरोध

धार नगरपालिका द्वारा टंकी बनाने के लिए मिट्टी का परीक्षण करने चाणक्यपुरी कालोनी में पहुँची, जहाँ कालोनीवासियों ने इसका जमकर विरोध किया। क्योंकि यहाँ शितला माता मंदिर की स्थापना की गई है। साथ ही यह जमीन कालोनाईजर ने बगीचा, मंदिर एवं बच्चों के खेलने के लिए जमीन छोड़ी है। ज्ञात हो कि नगरपालिका जहाँ टंकी बनाने के लिए स्थल चयन किया गया, वहाँ पर शितला माता मंदिर स्थापित है। इसके अलावा यहाँ पर बच्चों के खेलने के साथ-साथ सभी सार्वजनिक कार्यक्रम जैसे माताजी का भण्डारा, धार्मिक भण्डारा, पूजा-पाठ, सार्वजनिक कार्यक्रम, कालोनीवासियों बच्चों की शादी का कार्यक्रम, भोजन, टेंट, ठहरने की व्यवस्था सहित अनेकों सार्वजनिक कार्यक्रम होते है। ऐसे में उक्त स्थान पर टंकी का निर्माण कर दिया जाता तो ऐसे धार्मिक एवं सार्वजनकि आयोजन कहाँ करेंगे और हमारे बच्चे कहां पर खेलेंगे। ऐसी कई समस्याओं और परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।कालोनीवासियों का कहना है कि यहाँ आसपास भी सरकारी जमीन बहुत है। अगर नगरपालिका टंकी का निर्माण इस स्थान को छोड़कर अन्य सरकारी जमीन पर करती है, तो नगरवासियों को पानी की सुविधा उपलब्ध हो सकती है। लेकिन इस स्थान पर कालोनीवासी टंकी का निर्माण नहीं करने देंगे। इसके बावजूद भी अगर नगरपालिका द्वारा टंकी का निर्माण कराया जाता है तो कालोनीवासी एकजुट होकर जनआंदोलन करेंगी। लेकिन उक्त स्थान पर टंकी का निर्माण नहीं करने देंगे। इसलिए प्रषासन से रहवासियों ने अनुरोध किया है कि उक्त स्थान को छोड़कर अन्य किसी भी सरकारी स्थान पर टंकी का निर्माण कराया जाये।ज्ञात हो कि कई वर्षो से इस कालोनी को कोई सुविधा उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। यहाँ पर न तो स्ट्रीट लाईट है, न ड्रेनेज लाईन है न ही रोड की सुविधा है। वार्ड नंबर-05 मोहल्ला चाणक्यपुरी कॉलोनी के सेक्टर सी-56 से सेक्टर सी-66 तक पुरानी ड्रेनज लाईन थी, वह पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त होकर नष्ट हो गई है, जिससे मकानों का पानी रोड व गड्डों में भरा होने के कारण कई बीमारियों को पैदा कर रहे है और घर-घर का गंदा पानी रास्ते पर सदाबहार बहता रहता है। जिससे प्रतिदिन गंदगी का सामना करना पड रहा है। जिससे रहवासियों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में कालोनीवासियों एवं वार्ड के पार्षद द्वारा कई बार सीएमहेल्पलाईन, जनसुनवाई, नगरपालिका के वरिष्ठ अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों को शिकायत/लिखित तथा मौखिक रूप से संज्ञान में लाया गया है, उसका कोई समाधान नहीं किया जा रहा है। जिससे कॉलोनीवासियों में रोष व्यक्त किया जा रहा है। नगरपालिका द्वारा पानी की टंकी का निर्माण के लिए जो स्थल चयन किया है, वह भी एक मात्र स्थान है, जो कालोनी सभी आयोजन करते है

एसडीएम, तहसीलदार , सीएमओ , पीडब्ल्यूडी की सयुंक्त कार्यवाही.

पुराने बस स्टेडं से मण्डी रोड का अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही

उज्जैन

खाचरोद नगर में मार्च माह में आईएसआई गगन मीना के बाद एसडीएम नेहा शाहु की अतिक्रमण पर बड़ी कार्यवाही. देखने को मील रही है आपको बता दे कि पुराने बस स्टैंड से मण्डी रोड तक के अतिक्रमणकारियों को नगर पालिका के माध्यम से तीन दिन में अतिक्रमण हटाने का नोटीस थमाया था .शनिवार को 3 दिन का समय सीमा के बाद एसडीएम नेहा शाहु तहसीलदार अनील मोरे, सीएमओ घनश्याम मचार और पीडब्ल्यूडी अधिकारी कमर्चारी जेसीबी की साथ मैदान में पहुचे जहा खड़े रहकर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही को अंजाम देते दिखे. अधिकारीयों की चर्चा में बताया कि सड़कों पर फैले अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही नीरंतर जारी रहेगी. तालाब पाल उज्जैन दरवाजा , बड़नगर रोड़, नागदा रोड़ का भी अतिक्रमण हटाया जाएगा. एसडीएम नेहा शाहु ने पहले हटाए गए अतिक्रमण की जगहों पर वाहनों का जमावड़ा और सड़कों लगी दुकानों को देख नाराजगी जताई, अतिक्रमण की जगह खड़े वाहनों की जप्ती के निर्देश अधिकारीयों को दिए.. वही एकता बस के आफिस पर न्यायालय के कुछ पेपर एसडीएम को दिखाए है एसडीएम ने नगरपालिका को न्यायालय में आवेदन लगाकर अतिक्रमणकर्ता को 4 दिन समय दिया है. वही प्याऊ आमजन के लिए सुरक्षित रहेगी !

आपकी सरकार आपके द्वार

ग्रामीणों के घर पहुचा समस्या का समाधान

उज्जैन

जलस्त्रोत रिचार्ज का भुमी पूजन विधायक के हाथो.

मप्र की मोहन सरकार ग्रामीणजनों की सुविधा मे हर सम्भव प्रयास में लगी है ग्रामीणों को छोटे छोटे कार्य के लिए तहसीलों के अधिकारी कर्मचारियों के चक्कर लगाने पढ़ते है. इन समस्या के समाधान के लिए सीएम मोहन यादव ने आपकी सरकार आपके द्वार की शुरुआत करी है ! इस योजना की शुरुआत मोहन सरकार के विधायक डा. तेजबहादुर सिंह चौहान ने खाचरोद तहसील के कंचनखेड़ी गांव से करी. जहा एसडीएम नेहा शाहु तहसीलदार अनील मोरे के साथ पंचायत, पिएचई, आगनवाड़ी , कृषि विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे. सरपंच जगदीश खटोलीया ने विधायक ओर प्रशासनिक दल का स्वागत किया ! जहा विधायक चौहान ने उपस्थित जनसमुदाय और हितग्राहियों को संबोधीत करते हुए कहा कि मप्र सरकार के मुखीया डा. मोहन यादव सरकार की मंसानुसार ग्रामीणजन की समस्या के समाधान के लिए हर गांव में प्रशासनिक अधिकारी कर्मचारी पहुचकर उनके आवेदन लेकर समस्या का समाधान करेगे. जीससे उनके तहसीलों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेगे. एसडीएम नेहा शाहु ने कहा कि अधिकांश ग्रामीणों को जानकारी के अभाव में तहसीलों के चक्कर लगाने पड़ते है, कभी कभी दलालों के हाथों में जाकर हजारों रुपये ओर समय बर्बाद करते है जीससे अंकुश लगेगा.

तहसीलदार मोरे ने बताया कि राजस्व व तहसील में लम्बीत अविवादित प्रकरण, नांमतरण, जन्म प्रमाणपत्र राशनकार्ड, पैत्रक सम्पत्ति के पट्टे आदी की समस्याएं तुरंत ग्राम पंचायत में सभी विभागों के अधिकारीयों की उपस्थिति में हल किए जाएगे ! आज विधायक जी के हाथों ग्रामीण हितग्राहियों को मकान के पट्टे, जाती प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाणपत्र वितरण किए है. आपकी सरकार आपके द्वार के साथ ही गांव गांव में जल स्त्रोत कै रिचार्ज करने का कार्य विधायक चोहान के हाथो किया है जीससे ग्रामीणजनों को जल सरक्षण के लिए जागरूक भी किया जा रहा है. आपकी सरकार आपके द्वार का आयोजन सतत चलेगा हर पंचायत स्तर जानकारी दी जाएगी और गांव में डुड्ढी भी पिटवाई जाएगी !

संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ जिला अलीराजपुर द्वारा आदेश की होली जलाई

अलीराजपुर- संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ मध्य प्रदेश के आगाज पर जिला अलीराजपुर में भी संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों द्वारा हड़ताल पांचवें दिन जारी रही। इसी कड़ी में अपनी जायज मांगों को लेकर कर्मचारी और अधिकारियों द्वारा आज दिनांक 26 अप्रैल 2025 को मिशन संचालक द्वारा जारी आदेश की होली जलाई गई जिसमें समस्त संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी पर हड़ताल के संबंध में अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए आदेशित किया गया था। समस्त संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी अपनी निम्नलिखित मांगों को लेकर हड़ताल पर बैठे हैं:-

तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा 2023 में जो नीति बनाई गई थी एवं महापंचायत बुलाकर जो वादे किए गए थे वह आज दिनांक तक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्य प्रदेश द्वारा पूरे नहीं किए गए हैं जिसमें प्रमुखता एनपीएस का लाभ, ग्रेजुएटी का लाभ, समस्त प्रकार की नियमित कर्मचारियों के समान छुट्टियां, कर्मचारियों की प्रत्येक वर्ष अनुबंध प्रक्रिया समाप्त होना एवं अप्रेजल जैसी कुरीतियों का समाप्त होना शामिल था। साथ ही मिशन संचालक द्वारा मानव संसाधन मैनुअल 2025 में यह समस्त लाभ न दिए गए एवं अप्रेजल जैसी कुरीतिया शामिल की गई है इसकी विरोध में समस्त संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी अधिकारी हड़ताल पर बैठे है।

हिन्दू पर्यटकों पर हमले के विरोध में कांग्रेस ने फूंका आतंकवाद का पुतला

पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी कर जताया रोष

रतलाम जावरा श्रीनगर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा गत दिनों निर्दोष पर्यटकों की निर्ममतापूर्वक की गई हत्या के विरोध में कांग्रेस नेताओं वीरेन्द्र सिंह सोलंकी और पार्षद निजाम काजी के नेतृत्व में जावरा विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आतंकवाद का पुतला फूंका और हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए दोषियों को सख्त से सख्त सजा देने की मांग की। शनिवार को प्रात: करीबन 11.30 बजे क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ता बड़ी संख्या में चौपाटी चौराहे पर पहुंचे, जहां विधानसभा का चुनाव लड़े वीरेंद्र सिंह सोलंकी व नगर पालिका परिषद निजाम काजी की अगुवाई में कांग्रेसियों ने भारत माता की जय, हिंदुस्तान जिंदाबाद, पाकिस्तान मुर्दाबाद, आतंकवाद मुर्दाबाद के जमकर नारे लगाए। इस दौरान कांग्रेस नेता वीरेन्द्र सिंह सोलंकी ने पहलगाम में आतंकियों द्वारा बेकसूर सैलानियों पर किए गए कायराना हमले की तीखे शब्दों में निंदा की। उन्होंने कहा कि इसमें कोई शक नहीं कि उक्त हमले के पीछे पाकिस्तान का हाथ है। इसलिए केंद्र सरकार को आतंकियों से निपटने हेतु हरसंभव कदम उठाए जाने चाहिए। इस मौके पर पार्षद निजाम काजी ने पर्यटकों पर हमले को देश पर हमला निरूपित करते हुए कहा कि आतंकवाद की घटनाएं किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हम सब मिलकर देश विरोधी ताकतों का डटकर मुकाबला करेंगे। उन्होंने पाकिस्तान का नाम लेकर कहा कि वह आतंकवाद को पालता-पोषता है। श्री काजी ने भारत सरकार से गुजारिश की कि आतंकी आकाओं को मुंहतोड़ जवाब देने की जरूरत है। इस अवसर पर पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में मारे गए सैलानियों को श्रद्धांजलि देते हुए घटना में घायल नागरिकों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की गई। इसके बाद चौपाटी चौराहा पर नारेबाजी के साथ कांग्रेसियों ने आतंकवाद रूपी पुतले का दहन किया। जिस पर पाकिस्तान मुर्दाबाद, आतंकवाद मुर्दाबाद लिखा हुआ था। इस मौके पर निजाम काजी, वीरेंद्र सिंह सोलंकी, कादिर एहमद, इमरान मंसूरी, कृष्णा अखेडीया, यास्मीन खान, सईद कुरेशी, रफीक शाह, मनोहर हरा, महेश शर्मा, सुनील नागर, पप्पू चारोडिया, कान्हा हाड़ा, रिजवान पठान, सय्यद इस्तियाख, दानिश सिद्दीकी, इब्राहिम मंसूरी, जलाल भाई, गुलाब सिंह, ओपी मालपानी, मजहर खान शेख, वसीम शेख, यूसुफ पठान सरपंच रिंगनोद, अहसान सुजापुर, ऋषि भारतीय, जितेंद्र सोलंकी, बलविंदर सिंह, अल्फेश, चेनसिंह गुर्जर, शादाब हुसेन, सलमान बुखारी, कान्हा खारोल, नरेन्द्र ऊंटवाल, आयुष जोशी, राकेश अग्रवाल आदि मौजूद थे।

पिपलियामंडी के होटल संचालक माली ने पेश की ईमानदारी की मिसाल

काउंटर पर भूले ईंट भट्टे वाले को लौटाए साढ़े दस हजार रुपए

जावरा पिपलियामंडी में एक होटल संचालक ने झोपड़पट्टी में रहने वाले एक व्यक्ति द्वारा उसकी दुकान पर गलती से हजारों रुपए भूलकर चले जाने के बाद उसे उक्त रुपए लौटाकर ईमानदारी का परिचय दिया। जिसकी सर्वत्र सराहना की जा रही है। जानकारी के अनुसार पिपलियामंडी के टिलाखेडा क्षेत्र में फूलमाली समाज की धर्मशाला के सामने स्थित शिवम रेस्टोरेंट पर प्रतिदिन की तरह कल भी प्रात:10.30 बजे झोपड़पट्टी निवासी गंगाराम प्रजापत चाय-नाश्ता करने पहुंचे। वहां उन्होंने नाश्ता वगैरह करने के बाद दुकान से अन्य सामग्री खरीदी। इसके बाद काउंटर पर जाकर पैसे चुकाने लगे। इस दौरान उन्होंने जेब से नोटों की गड्डी निकाल कर काउंटर पर जमी बरनियों की ओट में रख दी और पैसे कटवाकर बाइक से अपने ईंट भट्टे पर चले गए। इधर, होटल व्यवसायी किशोर माली पिता मदन लाल जी टांक निवासी टिलाखेड़ा की नजर नोट की गड्डी पर पड़ी तो उन्हें समझते देर नहीं लगी कि कोई ग्राहक जल्दबाजी में भूलकर चला गया है। उन्होंने नोटों को उठाकर गिनती लगाई जो पूरे दस हजार पांच सौ रुपए थे। इसके पश्चात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से उक्त रुपयों के वास्तविक हकदार की पहचान की गई तो पता चला कि ईंट भट्टों के व्यापारी गंगाराम प्रजापत ही गलती से रुपए काउंटर पर भूलकर चले गए थे। घटना के लगभग चार घण्टे बाद तक भी गंगाराम प्रजापत को सम्पट नहीं बंधी कि उनके रुपए कहीं गिर गए हैं। इस बीच वे दोपहर में पुन: चाय पीने उसी होटल पर पहुंचे तो दुकानदार किशोर माली ने उनसे आगे रहकर उक्त रुपयों की बात छेड़ी। इस पर उन्होंने अपनी जेब टटोली तो उनके होड़ उड़ गए। इस पर दुकान संचालक माली ने गंगाराम प्रजापत से कहा-घबराने की बात नहीं है। हमारे यहां लगे सीसीटीवी के फुटेज से पता चल चुका है कि पैसे आपके ही है। जिसे मैंने समय रहते सम्भाल लिया।

नगर की अवनि कालोनी का उद्यान उजाड़ा, हरे पेड़ काट कर हजारों पक्षियों का आशियाना किया तबाह

कालोनी रहवासियों ने कहा जिम्मेदारो को मिले सजा

कुक्षी- जहा देश एवं प्रदेश सरकार पर्यावरण सरक्षण मे पेड़ पौधे लगाने मे जन जागरण कर रही है वही नगर की अवनि नगर स्थित शासकीय उद्यान मे विशाल गगन चुम्बी वृक्षो को काट कर उनपर रह रहे हजारों पक्षियों को बेघर कर दिया गया। क्षेत्र के रहवासी नितिन पहाड़िया ने बताया की उनके द्वारा पोषित इस उद्यान मे आज ग्राम ननोदा निवासी राकेश पिता हीरालाल नामक व्यक्ति द्वारा कटर मशीन के द्वारा उक्त हरे भरे नीम, पीपल, बरगद,(त्रिवेणी) अशोक एवं अन्य प्रजाति के विशाल वृक्षो को काटा जा रहा था! श्री पहाड़िया ने बताया की उक्त घटना के संदर्भ मे उन्होंने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार कुक्षी, राजस्व निरीक्षक, थाना प्रभारी कुक्षी, एवं नगर परिषद अधिकारी को मोबाइल से शिकायत की है। नगर परिषद से अभियंता श्री तोमर एवं राजस्व विभाग से राजस्व निरीक्षक श्री तड़वाल मे मौका मुआवना किया है। घटना से दुखी और व्यथित क्षेत्र वासियो ने शासन और प्रशासन के त्वरित कार्यवाही की गुहार कर इस पर्यावरणघाती इस कृत्य मे जिम्मेदारो को कानूनी कार्यवाही कर दण्डित करने की मांग की है।

बागेड़ी डेम में लगे फिल्टर प्लांट की हुई सफाई, मटमैले- बदबूदार पानी की समस्या दूर

बदनावर। नगर में पानी की आपूर्ति करने वाले बागेड़ी डैम पर बने फिल्टर प्लांट पर नगर परिषद द्वारा विशेष सफाई अभियान चलाया गया। अब लोगो को मटमैले पानी से छुटकारा मिलेगा व शुद्ध पानी की आपूर्ति होगी। जानकारी के अनुसार शहर में कुछ दिनों से विभिन्न वार्डों में नलों से मटमेला व बदबूदार पानी आ रहा था। इसको लेकर नगर परिषद ने शहर के मुख्य जल स्त्रोत बागड़ी नदी पर स्थित फिल्टर प्लांट पर सफाई अभियान चलाया गया। फिल्टर प्लांट पर सफाई अभियान चलाकर पानी को साफ गया। साथ ही वहां मौजूद कुएं पर जालियां भी लगाई गई, ताकि पानी शुद्ध रहे। नगर परिषद अध्यक्ष मीना यादव ने बताया कि नलों से आने वाले मटमेले पानी की समस्या को दूर करने के लिए परिषद द्वारा गत दिनों भी शहर की प्रमुख पानी की टंकियों को साफ करवाया गया था, अब बागेड़ी नदी पर स्थित फिल्टर प्लांट पर तीन दिनों तक सफाई का काम किया गया। अब पानी शुद्ध मिलेगा। उन्होंने बताया की यहां मीडिल स्कूल प्रांगण में स्थित पानी की बड़ी टँकी को भी साफ करवाया गया है। नलों से पानी सप्लाई के लिए कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय की गई है। बता दे कि शहर में स्थित 5 से अधिक बड़ी पानी की टंकियों में बागेड़ी नदी पर स्थित फिल्टर प्लांट से ही पानी सप्लाई होता है। रोज करीब 34 लाख लीटर पानी की खपत होती है। गत दीनों जेल रोड पर बड़ी पाइप लाइन भी लीकेज हो गई थी। जिसे नगर परिषद के अमले ने खुदाई कर पुन: लाइन जोड़कर पानी की आपूर्ति शुरू की।

ग्राम पंचायत-लाड़वी के सचिव रमण कुशवाह द्वारा ग्राम सभा नहीं लेने पर कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन

महेश्वर - ग्राम पंचायत लाड़वी के पदाधिकारी एवं ग्रामवासी द्वारा एकत्र होकर जनपद पंचायत के अहिल्या सभागृह में जनपद इंस्पेक्टर रामलाल बरसेना को खरगोन जिला कलेक्टर भव्या मित्तल के नाम ज्ञापन सौंपा गया ज्ञापन में बताया गया कि सचिव रमण कुशवाह द्वारा दिनांक 14 अप्रैल 2025 को पंचायत अधिनियम के तहत ग्राम पंचायत के ग्रामो विभिन्न तारीखों में ग्राम सभा प्रस्तावित किया जाना था किन्तु सचिव कुशवाह द्वारा ग्राम पंचायत के ग्रामो में ग्राम सभाए नहीं ली गई तथा किसी भी कार्य योजना को मंजरी नहीं दी गई इसके पुर्व भी पंचायत सचिव रमण कुशवाह द्वारा 15 अगस्त स्वतन्त्रता दिवस, 26 जनवरी गणतंत्रता दिवस,2 अक्टूबर महात्मा गांधी जयंती को भी ग्राम सभा नागरिकों के साथ पंचायत पदाधिकारियों के साथ होना थी। लेकिन उक्त दिवसों में भी ग्राम सभा नहीं ली गई केवल कागजों पर ही पंचायत सचिव ने ग्राम सभा बैठक कर ली। पंचायत अधिनियम मध्यप्रदेश शासन पंचायती राज्य अधिनियम 1993 की धारा 44 (4) का उल्लंघन किया गया है। सचिव द्वारा पंचों की बैठक नहीं लिए जाने से ग्राम पंचायत के गांवों में विकास कार्य नहीं हो रहे है। शासन की योजनाओं का लाभ भी ग्राम वासीयों को नहीं मील रहा है। ग्राम वासियों द्वारा मांग की गई है कि ग्राम पंचायत लाड़वी के सचिव रमन कुशवाह के खिलाफ जांच कर कार्यवाही कि जाए। ग्राम पंचायत लाडवी में सचिव चार वर्षों से पदस्थ है शासन के नियमो के विरूद्ध पंचायत में सचिव रमण कुशवाह पदस्थ है उन्हें हटाकर योग्य कार्यवाही की मांग भी की गई है इस दौरान उप सरपंच अजय तंवर, मनीष राठौर, पंच संतोष बाई व अन्य पंच उपस्थित हुए।

मैंने दर्शकों से संवाद करना कभी नहीं छोड़ा किरदारों में प्रामाणिकता लाना मेरी जिम्मेदारी

अभिनेता रंगनाथन माधवन को इस महीने बड़े परदे पर उतरे 25 साल पूरे हुए तो उनके प्रशंसकों ने इसका सोशल मीडिया पर खूब जश्न मनाया। माधवन भी इस मौके पर नजर आए फिल्म 'केसरी 2' के एक अनोखे किरदार में। किरदारों के साथ प्रयोग करने में नए मानदंड बनाते जा रहे आर माधवन से एक खास मुलाकात की 'अमर उजाला' के सलाहकार संपादक पंकज शुक्ल ने।

फिल्म 'टेस्ट' को लेकर जो प्रतिक्रियाएं आपको मिल रही हैं, उनके बारे में क्या कहना है? मुझे तो ये ईश्वर का आशीर्वाद सरीखा प्रतीत हो रहा है। मेरे अभिभावकों ने मुझे जो शिक्षा दी, जो संस्कार दिए और मेरे देश ने मुझे जो गौरव बख्शा है, वह सब एक सपना जैसा ही तो है मेरे लिए। खुली आंखों से देखे सपने सच होते हैं, ये मैं अब मानने लगा हूं। फिल्म को रिलीज होने के बाद का चौथा हफ्ता शुरू हो गया है और ये फिल्म अब भी नेटफ्लिक्स की टॉप 10 ट्रेंडिंग फिल्मों में बनी हुई है।

इस फिल्म में हाइड्रोफ्यूल बनाने की कोशिशों में लगा एक इंजीनियर रिश्वत के पैसे जुटाने के जो करता है, उसकी तैयारी कैसे की होगी आपने? मेरा अभिनय को लेकर एक खास दृष्टिकोण शुरू से रहा है। अगर एक किरदार किसी ने सोचा है तो ये तो तय है कि ये विचार लेखक के मन में किसी न किसी बीज से ही पनपा होगा। मेरी कोशिश उस बीज तक, उसकी धरती तक और उसे खाद-पानी देने वाले कारकों को पहचानने की रहती है। बतौर अभिनेता इतना काम तो हमें करना ही चाहिए। बाकी काम फिल्म के निर्देशक ने कर दिया।

पहली बार फिल्म बनाने वाले निर्देशकों के साथ काम करने का आपका रिकॉर्ड चौंकाने वाला है.. हां, पहली फिल्म बनाने वाले निर्देशकों के लिए मुझे खासा लकी माना जाता है। फिल्म 'टेस्ट' से निर्देशन शुरू करने वाले एस शशिकांत ने ही मेरी तमिल फिल्म 'विक्रम वेधा' का निर्माण किया था। उनकी पृष्ठभूमि वास्तुशास्त्र की है। वह कमाल की इमारतें बनाते रहे हैं। फिर उन्होंने अपना खुद का स्टूडियो वाईनॉट स्टूडियोज खोला। फिल्म 'टेस्ट' बतौर निर्देशक उनकी पहली फिल्म है। 25 साल के अपने करियर में मैंने तमाम नवोदित निर्देशकों के साथ काम किया है। मेरा मानना है कि हर नया निर्देशक अपने साथ एक नई सिनेमाई दृष्टि लेकर आता है।

और, ऐसे नए नजरिये की इस समय सिनेमा को जरूरत भी है? जी हां, बिल्कुल। अब फिल्म 'केसरी 2' के निर्देशक करण सिंह त्यागी को ही लीजिए। इनकी भी ये पहली फिल्म है लेकिन इस फिल्म के पहले 20 मिनट जो हैं, वह दिल और दिमाग हिला देने वाले हैं। परदे पर जो कुछ होता दिख रहा था, जब पहली बार मैंने इसे देखा तो मेरा तो गला रुंध गया। मेरे पास वाली कुर्सी पर बैठे अक्षय मेरा हाथ थामकर मुझे ढांढस बंधा रहे थे और मेरा पूरी शरीर कांप रहा था।

इससे ठीक पहले आपने आम आदमी की दुखती रग को छूती फिल्म 'हिसाब बराबर' भी की, विषयों का इतना भिन्न भिन्न चयन कैसे करते हैं आप? एक राज की बात बताऊं आपको, शुक्ला जी? मैंने अपने बीते तीन दशकों में दर्शकों से संवाद करना कभी नहीं छोड़ा। लोग सोशल मीडिया के जरिये मुझसे संपर्क करते हैं। मुझे अपनी बात लिखकर भेजते हैं और मैं भी कोशिश करता हूं कि ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंच सकूं। उनसे बात कर सकूं। धरती से मेरा नाता लगातार बना रहता है। मौका मिलते ही मैं घास पर लेट जाता हूं। मैं हर तरह के किरदार करना चाहता हूं और ये तभी मुमकिन है जब मैं हर तरह के लोगों से लगातार मिलता रहूं।

'शैतान', 'टेस्ट' और 'केसरी 2' जैसे स्याह किरदारों में भी लोग आपको पसंद कर रहे हैं, इससे आपकी जिम्मेदारी दर्शकों के प्रति कितनी और बढ़ती है? ये कठिन प्रश्न कर दिया आपने! लेकिन, हां, आपका कहना सही है। समाज में घुले मिले स्याह किरदारों को उजागर करती इन फिल्मों की कहानियों की यही अच्छी बात है। ये कहानियां हमें अपने कर्तव्यों के साथ साथ उन लोगों के प्रति भी सजग करती हैं, जिनका घोषित उद्देश्य तो कुछ और होता है लेकिन, इरादे उनके कुछ और ही होते हैं। मेरे प्रशंसकों ने मुझे इन स्याह किरदारों में सराहा, इसके लिए मैं उनका आजीवन आभारी रहूंगा।

और, पिता के रूप में आप खुद को कितना जिम्मेदार मानते हैं? वेदांत को कितनी छूट देने में यकीन रखते हैं? मेरा मानना है कि अभिभावकों की जिम्मेदारी अपनी संतान के सही लालन-पोषण की है। एक मूलभूत शिक्षा के बाद उन्हें अपने बच्चे से पूछना चाहिए कि वह क्या बनना चाहता है या चाहती है? अपनी पसंद उन पर थोपने की जरूरत नहीं है। अपने अधूरे सपने उनके जरिये पूरे करने की भी जरूरत नहीं है। वेदांत ने तैराकी को एक खेल की तरह चुना है। इसके अलावा वह अपनी पढ़ाई पर पूरा ध्यान दे रहा है। इसमें छूट जैसी बात नहीं है। हमने उसे अपना ख्याल खुद रख सकने लायक बनाया और फिर छोड़ दिया आसमान में। वह घोंसला कहां बनाएगा, ये हवा का रुख और उसकी समेट मे आए तिनकों की संख्या से ही तय होगा।

किरदारों की प्रामाणिकता को लेकर हुए सर्वे में दर्शकों ने आपको अव्वल नंबर अभिनेता माना है, इसे लेकर किसी खास तरह की सजगता भी रखते हैं आप? दर्शकों का किसी कलाकार पर भरोसा बहुत मुश्किल से बनता है। पान मसाला जैसे उत्पादों का विज्ञापन करके मैं इसे खोना नहीं चाहता। रही बातकिरदारों में प्रामाणिकता लाने की तो मुझे लगता है

अजय देवगन के करियर की वो फिल्में, जो आज तक नहीं हुई रिलीज

अजय देवगन इस वक्त अपनी फिल्म रेड 2 से चर्चा में हैं, जो एक मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है, क्योंकि एक बार फिर से अभिनेता घरों में छापा मारते दिखेंगे। अजय देवगन ने अपने करियर में कई हिट फिल्में दीं, जिस कारण उनके पास हमेशा फिल्मों की लाइन लगी रही। अभिनेता की कुछ ऐसी भी फिल्में रहीं, जिसे निर्माताओं द्वारा लगभग तैयार कर लिया गया था। इसके बावजूद उन फिल्मों को आज तक रिलीज नहीं किया गया। आइए जानते हैं उन फिल्मों के बारे में। साल 1992 में फिल्म निर्माताओं द्वारा अजय देवगन की एक फिल्म का एलान हुआ था, जिसका नाम था गिरवी। फिल्म की शूटिंग भी कुछ दिनों तक चली, लेकिन बाद में इसे किसी कारणवश बंद कर दिया गया था। इस फिल्म में अजय देवगन के साथ पूजा भट्ट मुख्य भूमिका में थीं। अजय देवगन की एक फिल्म की घोषणा निर्माताओं द्वारा किया गया, जिसका नाम था अशोका। आपको बताते चलें कि इस फिल्म का पोस्टर भी रिलीज कर दिया गया था और अभिनेता का लुक भी रिवील हो गया था। बताया जाता है कि फिल्म पूरी बन भी चुकी थी, लेकिन किन्हीं कारणवश इसे आज तक रिलीज नहीं किया गया। 1993 का साल और अजय देवगन अभिनीत फिल्म काला पानी का एलान हुआ। इस फिल्म का निर्देशन महेश भट्ट द्वारा किया जाना था। कहा जाता है फिल्म को लेकर निर्माताओं और कलाकारों के बीच खूब चर्चा हुई, लेकिन बाद में फिल्म पर कोई काम नहीं हुआ और उसके रिलीज की सारी संभावनाएं खत्म हो गई। अजय देवगन अपने करियर में किसी भी फिल्म में आज तक सिंगर के रोल में नजर नहीं आए हैं। निर्देशक सुनील अग्निहोत्री के डायरेक्शन में एक फिल्म की घोषणा हुई, जिसमें अजय देवगन बतौर गायक नजर आने वाले थे और फिल्म का नाम भी सिंगर रखा गया था। हालांकि, फिल्म में किसी कारण से समस्या आई और वह आज तक पूरी नही सकी। इसी कड़ी में अजय देवगन की एक और फिल्म शामिल है, जिसका नाम गुरु चेला। इस फिल्म में अजय के साथ मिथुन चक्रवर्ती मुख्य भूमिका में नजर आने वाले थे। आपको बताते चलें कि फिल्म की आधी शूटिंग भी पूरी हो चुकी थी, लेकिन फिर किन्हीं कारणों की वजह से आगे की शूटिंग नहीं हो पाई। इस कारण से इसे कभी रिलीज नहीं किया जा सका। 2004 का साल और अजय देवगन की एक और फिल्म की घोषणा, जिसका नाम था असर-द इमपैक्ट। कहा जाता है यह पहली फिल्म थी, जिसमें अभिनेता प्रियंका चोपड़ा के साथ नजर आने वाले थे। फिल्म की शूटिंग भी शूरू हुई, लेकिन कुछ वजहों से ये कभी रिलीज नहीं हो पाई।

अभिनेत्री आयुषी कौशल दिखाई देंगी स्टार प्लस के नए सीरियल

कभी नीम नीम कभी शहद शहद में।

मुम्बई, आयुषी कौशल एक प्रतिभाशाली अभिनेत्री हैं जिन्होंने अपनी अदाकारी से दर्शकों के दिलों में अपनी एक विशेष जगह बनाई है। उनकी प्रतिभा और मेहनत ने उन्हें टीवी सीरियल्स और शॉर्ट फिल्मों में एक प्रमुख स्थान दिलाया है। वह वर्तमान में स्टार प्लस के नए सीरियल कभी नीम नीम कभी शहद शहद में दूसरी मुख्य भूमिका निभा रही हैं, जिसमें उनकी बहुमुखी प्रतिभा और अभिनय की गहराई दिखाई दे रही है।

प्रारंभिक जीवन और शिक्षा आयुषी कौशल का जन्म लालगंज, उत्तर प्रदेश में हुआ था। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के दौलत राम कॉलेज से गणित में ऑनर्स के साथ अपनी शिक्षा पूरी की। इसके बाद, उन्होंने दिल्ली में थिएटर का अध्ययन किया और 2022 में मुंबई आकर अपने अभिनय करियर की शुरुआत की, जिसमें वह प्रतिस्पर्धी उद्योग में सफल होने के लिए दृढ़ संकल्पित थीं।

अभिनय करियर आयुषी कौशल ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत विज्ञापन फिल्मों से की, जिसमें उन्होंने लेंसकार्ट, ईचर, कोलों स्विचेज, और नेचुरल्स आइसक्रीम जैसे ब्रांडों के साथ काम किया। उन्होंने कई शॉर्ट फिल्मों और टीवी सीरियल्स में भी काम किया है, जिनमें परिणीति, पंडेया स्टोर, तेरी मेरी डोरिया, नीरजा, और कुंडली भाग्य शामिल हैं। उनकी अदाकारी को दर्शकों और आलोचकों ने समान रूप से सराहा है।

प्रतिभा और कौशल आयुषी कौशल एक बहुमुखी प्रतिभा हैं - वह न केवल एक कुशल अभिनेत्री हैं, बल्कि एक अच्छी गायिका, नर्तकी, और चित्रकार भी हैं। वह हारमोनियम बजाना और बैडमिंटन खेलना पसंद करती हैं, जो उनकी बहुमुखी प्रतिभा और रचनात्मकता को दर्शाता है।

भविष्य की योजनाएं आयुषी कौशल की भविष्य की योजनाएं उवल हैं। वह अपने अभिनय करियर को आगे बढ़ाना चाहती हैं और फिल्मों और वेब सीरीज सहित नए प्रोजेक्ट्स का अन्वेषण करना चाहती हैं। उनकी मेहनत और प्रतिभा ने उन्हें सफलता के लिए तैयार किया है, और वह नए चुनौतियों का सामना करने के लिए उत्साहित हैं।

निष्कर्ष आयुषी कौशल एक प्रतिभाशाली अभिनेत्री हैं जिन्होंने अपनी अदाकारी से दर्शकों के दिलों में अपनी एक विशेष जगह बनाई है। उनकी प्रतिभा, मेहनत, और दृढ़ संकल्प ने उन्हें एक सफल करियर के लिए तैयार किया है। हम उनकी उवल भविष्य की कामना करते हैं और उनकी अभिनय यात्रा में निरंतर सफलता की शुभकामनाएं देते हैं।

आईपीएल 2025.. बारिश की भेंट चढ़ा पंजाब किंग्स और केकेआर का मुकाबला, दोनों को मिले एक-एक अंक

कोलकाता, । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 का 44वां मुकाबला बारिश की वजह से बिना नतीजे के रहा। कोलकाता के ईडन गार्डन मैदान में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और पंजाब किंग्स के बीच खेले गए इस मुकाबल में पंजाब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और 201 रन बनाए। वहीं, कोलकाता की पारी में सिर्फ एक ओवर का खेल हो सका, जिसमें केकेआर ने बिना कोई विकेट खोए 7 रन बनाए। इस बेनतीजा मैच के बाद दोनों टीमों को एक-एक अंक मिले। इस तरह पंजाब के पास 11 अंक और केकेआर के 7 अंक हो चुके हैं। टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी पंजाब ने शानदार शुरुआत की। दोनों सलामी बल्लेबाजी प्रियांश आर्या और प्रभसिमरन सिंह ने टीम को तेज रनगति के साथ रन बनाने शुरू किए। दोनों के बीच 120 रन की साझेदारी हुई। 12वें ओवर में प्रियंश 35 गेंदों में 69 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में 8 चौके और 4 छक्के लगाए। फिर कप्तान श्रेयश अय्यर ने प्रभसिमरन के साथ मिलकर 40 रन जोड़े तभी प्रभसिमरन आउट हो गए। उन्होंने 6 चौके और 6 छक्कों की मदद से 49 गेंदों 83 रन की पारी खेली। उनके बाद टीम का स्कोर 200 के पार जरूर पहुंचा लेकिन रनगति पहले के मुकाबले काफी कम रही। कप्तान श्रेयश 25 रन और जोश इंग्लिश 11 रन बनाकर नाबाद रहे।

लय बरकरार रखने उतरेगी मुंबई, सामने होगी लखनऊ की चुनौती... रोहित और पंत पर रहेंगी नजरें

मुंबई इंडियंस का रविवार को लखनऊ सुपर जाएंट्स से सामना होगा। इस मैच में हार्दिक पांड्या की टीम जीत की लय बरकरार रखने और अंक तालिका में आगे निकलने का लक्ष्य लेकर उतरेगी। वहीं, ऋषभ पंत की अगुआई वाली लखनऊ की निगाह जीत के अलावा अपने नेट रन रेट में सुधार करने पर भी होगी क्योंकि आगे इसकी भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। इन दोनों टीम के अभी तक समान 10 अंक हैं लेकिन मुंबई बेहतर नेट रन रेट के आधार पर चौथे जबकि लखनऊ की टीम छठे स्थान पर है। अब तक नौ मैचों में से इन दोनों ने पांच मैच जीते हैं और चार हारे हैं।

खराब फॉर्म से जूझ रहे पंत

जहां ये दोनों टीमें वानखेड़े स्टेडियम में मैदान पर वर्चस्व के लिए भिड़ेंगी, वहीं मुंबई की भीषण गर्मी और उमस भी खिलाड़ियों की विपरीत परिस्थितियों में अपना सर्वश्रेष्ठ देने की तैयारी को परखने में अपनी भूमिका निभाएगी। लखनऊ के लिए कप्तान ऋषभ पंत की खराब फॉर्म चिंता का विषय है क्योंकि उन्होंने अब तक नौ मैचों में 106 रन बनाए हैं। मुंबई के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण के सामने उनकी कड़ी परीक्षा होगी।

मुंबई की शानदार वापसी

मुंबई की टीम सही समय पर अपने चरम पर पहुंची है। उसने लगातार चार मैच जीत कर खुद को प्लेऑफ में पहुंचने की दौड़ में आगे कर दिया है और उसकी टीम अपना विजय अभियान जारी

रखने के लिए प्रतिबद्ध होगी। उसकी टीम यहां की परिस्थितियों से अच्छी तरह वाकिफ है और वह इसका पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेगी। मुंबई के प्रमुख खिलाड़ी रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, ट्रेंट बोल्ट और यहां तक कि हार्दिक पंड्या सही समय पर फॉर्म में लौट आए हैं और उनसे पार पाना किसी भी टीम के लिए आसान नहीं होगा।

रोहित की फॉर्म में वापसी

रोहित ने चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ दो विस्फोटक अर्धशतकों के साथ लय हासिल कर ली है और अब वह विरोधी टीमों के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गए हैं। हालांकि सूर्यकुमार को लेकर कोई बड़ी चिंता नहीं थी, लेकिन आईपीएल की शुरुआत में इस शीर्ष टी20 बल्लेबाज की परिचित चमक गायब थी, लेकिन दाएं हाथ का बल्लेबाज भी तिलक वर्मा की तरह अपनी लय हासिल करने में सक्षम है।

हार्दिक ने किया प्रभावित

हार्दिक ने गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया है जबकि तेज गेंदबाज दीपक चाहर और ट्रेंट बोल्ट ने अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाई है। जहां तक लखनऊ की बल्लेबाजी का सवाल है तो वह अपने विदेशी खिलाड़ियों निकोलस पूरन (377 रन), मिशेल मार्श (344) और एडेन मार्क्रम (326) पर बहुत अधिक निर्भर है। लखनऊ को फिर से इन तीनों से शानदार प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

लखनऊ के गेंदबाजों पर रहेंगी नजरें लखनऊ के पास गेंदबाजी विभाग में बहुत बड़े नाम नहीं है लेकिन उसके गेंदबाजों ने अभी तक परिस्थितियों के अनुसार गेंदबाजी करके अपनी टीम के अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उसकी तरफ से शार्दुल ठाकुर ने सर्वाधिक 12 विकेट लिए हैं और स्थानीय खिलाड़ी होने के कारण वह यहां की परिस्थितियों से अच्छी तरह अवगत हैं।

कोलकाता में दहाड़े पंजाब के शेर, प्रियांश और प्रभसिमरन के बीच सबसे बड़ी साझेदारी

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और पंजाब किंग्स के बीच आज आईपीएल का 44वां मैच कोलकाता के ईडेन गार्डंस में खेला जा रहा है। इस मुकाबले में पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय किया। उनके इस फैसले को प्रियांश आर्या और प्रभसिमरन सिंह ने सही साबित किया। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 100 से ज्यादा रनों की साझेदारी हुई, जिसने पुराने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए।

कोलकाता में दहाड़े पंजाब के शेर प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्या ने कोलकाता के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। दोनों के

बीच पहले विकेट के लिए 120 रन की साझेदारी हुई। यह इस आईपीएल में किसी भी ओपनिंग जोड़ी के द्वारा कोलकाता के खिलाफ निभाई गई सबसे बड़ी साझेदारी है। इससे पहले गुजरात टाइटंस के शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने पहले विकेट के लिए 114 रनों की पार्टनरशिप निभाई थी। प्रियांश और प्रभसिमन का बल्ला इस मैच में जमकर गरजा। दोनों ने कोलकाता के खिलाफ अर्धशतकीय पारियां खेलीं। प्रियांश ने अपने आईपीएल करियर का पहला पचासा 27 गेंदों में पूरा किया जबकि प्रभसिमरन ने 38 गेंदों में अर्धशतक लगाया। दोनों क्रमश- 69 और 83 रनों की पारियां खेलकर पवेलियन लौटे। 23 वर्षीय बल्लेबाज प्रियांश आईपीएल 2025 में पावरप्ले में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी भी बन गए। उन्होंने 222* रन बना लिए। इस मामले में उन्होंने यशस्वी जायसवाल को पीछे छोड़ दिया जिन्होंने इस आईपीएल में पावरप्ले में 213 रन बनाए।

डब्ल्यूटीटी कंटेंडर ट्यूनिशिया 2025: मानुष शाह और दीया चितले ने जीता मिक्स्ड डबल्स का खिताब

नई दिल्ली, । भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों मानुष शाह और दीया चितले ने शनिवार को ट्यूनिशिया में खेले गए डब्ल्यूटीटी कंटेंडर 2025 टूर्नामेंट में मिक्स्ड डबल्स खिताब अपने नाम किया। फाइनल में इस भारतीय जोड़ी ने जापान के सोरा मात्सुशिमा और मिवा हरिमोटो को कड़े मुकाबले में 3-2 से हराया। भारतीय जोड़ी ने फाइनल में 11-9, 5-11, 14-12, 3-11, 11-6 से जीत दर्ज की। सेमीफाइनल में मानुष और दीया ने ट्यूनिशियाई-मिस्र की जोड़ी वसीम एस्सिद और हना गोडावेरे को सीधे गेमों में हराते हुए फाइनल में प्रवेश किया था।

पुरुष डबल्स में भी मानुष का शानदार प्रदर्शन मानुष ने मनव ठक्कर के साथ पुरुष डबल्स के सेमीफाइनल तक का सफर तय किया। हालांकि, सेमीफाइनल में उन्हें जर्मनी के बेनेडिक्ट डूडा और आंद्रे बर्टेल्समायर के खिलाफ 11-8, 7-11, 11-8, 9-11, 10-12 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय जोड़ी एक समय मैच प्वाइंट पर थी, लेकिन निर्णायक गेम में बढ़त को बरकरार नहीं रख सकी।

झेलम का अचानक बढ़ा जल स्तर, पाकिस्तान में आई बाढ़

इस्लामाबाद। झेलम नदी में अचानक जल स्तर बढ़ने से पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में बाढ़ के हालात पैदा हो गए हैं। नदी किनारे रहने वाले लोगों ने पूरी रात जागकर काटी है। इससे घबराए पाकिस्तान प्रशासन ने हट्टियन बाला क्षेत्र में वाटर इमरजेंसी की घोषणा तक कर दी है। साथ ही लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने को कहा गया है। मस्जिदों से भी लगातार लोगों को सचेत किया जा रहा है। उधर पाकिस्तान ने भारत पर जानबूझ कर नदी में अधिक पानी छोड़े जाने का आरोप लगाया है। हालांकि भारत की ओर से अभी इस मामले पर कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की गई है।

मुजफ्फराबाद के डिप्टी कमिश्नर फारुक के मुताबिक अचानक शनिवार की शाम को झेलम नदी का जल स्तर बढ़ने लगा। इसके चलते कई इलाकों में बाढ़ के हालात पैदा हो गए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक हर सकेंड 22 हजार घन फीट पानी बह रहा है, जिससे गारी दुपट्टा, मझोई व मुजफ्फराबाद आदि इलाकों में बाढ़ के हालात पैदा गए हैं। फारुक ने आरोप लगाया कि भारत ने जानबूझकर झेलम नदी में एकाएक जल को छोड़ा है। पूर्व में जब भी नदी में जल स्तर छोड़ा जाता था तो भारत की ओर से सूचना दी जाती थी लेकिन इस बार कोई भी जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने लोगों से नदी के पास वाले इलाकों में जाने से बचने को कहा है।

सड़कों पर उतरा मुस्लिम समाज, आतंकवाद के खिलाफ किया जोरदार प्रदर्शन

नेशनल डेस्क. उत्तर प्रदेश के मऊ जिले के कोपागंज थाना क्षेत्र के कस्बे में मुस्लिम समाज के लोगों ने आतंकवाद के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। हजारों की संख्या में लोग रात के समय सड़कों पर उतरे, हाथों में तिरंगा और मोमबत्तियां लिए हुए थे। इस दौरान सभी प्रदर्शनकारियों के बाजुओं पर काली पट्टी बंधी हुई थी। उन्होंने पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए और आतंकवादियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में निर्दोष और निहत्थे लोगों को धर्म के आधार पर मारा गया, जो कि पूरी तरह से मानवता के खिलाफ है।

काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद देशभर में लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। विभिन्न स्थानों पर लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। मुस्लिम समाज के लोग भी इस हमले के खिलाफ सड़कों पर उतरे हैं और अपना विरोध जताया है। हाल ही में मऊ में मुस्लिम समुदाय के लोग इस हमले के विरोध में एकजुट हुए। इन लोगों ने बाजुओं में काली पट्टी बांध रखी थी और हाथों में मोमबत्तियां ले कर सड़कों पर पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए। इसके अलावा उन्होंने सरकार से इस हमले का कड़ा जवाब देने की मांग की।

इस प्रदर्शन के दौरान एक प्रदर्शनकारी अफरोज आलम ने कहा, हम सिर्फ बदला चाहते हैं। मोदी और योगी, तुम्हें नहीं छोड़ेंगे। पूरे हिंदुस्तान के लोग गुस्से में हैं। अब वक्त आ गया है कि इन नापाक हरकतों का जवाब दिया जाए। इसी तरह का गुस्सा और आक्रोश देश के विभिन्न हिस्सों में भी देखने को मिला। गुरुग्राम में भी 25 अप्रैल को मुस्लिम समाज के लोग नमाज के बाद काली पट्टी बांधकर सड़कों पर उतरे और आतंकवाद के खिलाफ नारे लगाए।

नेपाल इस कठिन समय में खड़ा है भारत के लोगों के साथ: डा. राणा

काठमांडू के भारतीय दूतावास में हुआ हमले में मृत लोगों के लिए श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

काठमांडू। भारत के कश्मीर स्थित पहलगाम में आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए नेपाल के भारतीय दूतावास में सभा का आयोजन किया गया। इसमें नेपाल के उप प्रधानमंत्री विष्णु पौडेल, विदेश मंत्री डा. आरजू राणा देउवा सहित सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने इस कायराना हमले की कड़ी निंदा की।

विदेश मंत्री डा. राणा ने कहा कि नेपाल आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की कड़ी निंदा करता है। नेपाल किसी भी आतंकवादी गतिविधि के खिलाफ दृढ़ता से खड़ा है। नेपाल इस कठिन समय में भारत सरकार और लोगों के साथ खड़ा है। आतंकवाद से निपटने के दौरान कोई दोहरा मानक नहीं होना चाहिए। किसी भी आतंकवादी समूह द्वारा किसी भी देश या उसके लोगों के खिलाफ किसी भी उद्देश्य के लिए अपने क्षेत्र का उपयोग नहीं करने दिया जाएगा।

श्रद्धांजलि सभा में नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. शेखर कोइराला, प्रधानमंत्री के प्रमुख सलाहकार विष्णु रिमाल, माओवादी के राष्ट्रीय सचिव छविलाल विश्वकर्मा, पूर्व विदेश मंत्री एनपी साउद, लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष महंथ ठाकुर, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के शिशिर खनाल आदि मौजूद रहे।

इनके अलावा नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल, प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने आतंकवादी हमले की निंदा की है। साथ ही सभी ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत सरकार के पक्ष में दृढ़ता से खड़े रहने का संदेश दिया है।

इंदौर में आज एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव-2025' का आयोजन, मुख्यमंत्री करेंगे शुभारंभ

ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में जुटेंगे देश-दुनिया के टेक-दिग्गज, मुख्यमंत्री जारी करेंगे चार नई टेक-पॉलिसी गाइडलाइन्स

भोपाल। मध्य प्रदेश को टेक्नोलॉजी और डिजिटल नवाचार का केन्द्र बनाने के उद्देश्य से इंदौर के ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में 'एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव-2025' का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज (रविवार को) इसका शुभारंभ करेंगे। कॉन्क्लेव में देश-दुनिया के टेक-दिग्गज शामिल होंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव चार नई टेक-पॉलिसी गाइडलाइन्स जारी करेंगे।

जनसम्पर्क अधिकारी सोनिया परिहार ने बताया कि 'एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव' प्रदेश का पहला पूर्णत: सेक्टर आधारित टेक-कॉन्क्लेव होगा, जो फरवरी में भोपाल में आयोजित जीआईएस में प्राप्त निवेश प्रस्तावों को धरातल पर साकार करने का मंच बनेगा। कार्यक्रम में गूगल, माइक्रोटेक, एवीडिया जैसी बिग-टेक कंपनियों सहित 300 से अधिक तकनीकी विशेषज्ञ, उद्योगपति, नीति-निर्माता और निवेशक शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कॉन्क्लेव में प्रदेश की चार नई तकनीकी नीतियों-जीसीसी नीति, ड्रोन नीति, सेमीकंडक्टर नीति एवं एवीजीसी-एक्सआर नीति की गाइडलाइन्स जारी करेंगे। यह नीतियां नवाचार, अनुसंधान और निर्माण को प्रोत्साहित कर प्रदेश में क्षेत्रीय स्तर तक तकनीकी उद्यिमता और क्षमताओं को नई ऊँचाइयाँ देंगी।

उन्होंने बताया कि कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री नए आईटी पार्क, स्किल डेवलपमेंट सेंटर्स और स्टार्ट-अप इन्क्यूबेटरों का भूमि-पूजन करेंगे। साथ ही 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' और इन्क्यूबेशन हब का शुभारंभ के साथ ही प्रमुख निवेशकों के साथ एमओयू और आवंटन-पत्रों पर हस्ताक्षर करेंगे। इन्वेस्टमेंट फैसिलिटेशन पोर्टल का शुभारंभ भी किया जाएगा। इस पोर्टल से निवेशकों को प्रोजेक्ट्स की रियल-टाइम ट्रैकिंग और सिंगल विंडो सिस्टम की सुविधा मिलेगी। कॉन्क्लेव में सेक्टर-स्पेसिफिक राउंड टेबल मीटिंग्स, सूचना प्रौद्योगिकी सलाहकार बोर्ड से वीसी संवाद और मुख्यमंत्री की टेक-लीडर्स के साथ वन-टू-वन बैठकें भी होंगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कॉन्क्लेव देश-दुनिया के टेक दिग्गजों के लिए निवेश का स्वर्णिम अवसर सिद्ध होगा। राय के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग का यह आयोजन जीआईएस-भोपाल में आए निवेश प्रस्तावों को मूर्त रूप देने का महत्वपूर्ण प्रयास है। मध्य प्रदेश को भविष्य के डिजिटल भारत में अग्रणी बनाने और जीआईएस-भोपाल की निवेश प्रतिबद्धताओं को साकार करने की दिशा में 'एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव-2025' एक निर्णायक पहल सिद्ध होगी।

व्यापार

अनंत अंबानी रिलायंस इंडस्ट्रीज में कार्यकारी निदेशक नियुक्त

नई दिल्ली: उद्योगपति मुकेश अंबानी के सबसे छोटे बेटे अनंत को एक मई से पांच साल के कार्यकाल के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. में कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया गया है। रिलायंस ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, ''कंपनी के निदेशक मंडल ने 25 अप्रैल को अपनी बैठक में मानव संसाधन, नामांकन और पारिश्रमिक समिति की सिफारिश पर विचार किया और गैर-कार्यकारी निदेशक अनंत एम. अंबानी को पूर्णकालिक निदेशक के रूप में नियुक्त किया। उन्हें कंपनी का कार्यकारी निदेशक नामित किया गया है। उनकी नियुक्ति एक मई, 2025 से पांच साल की अवधि के लिए होगी। यह कंपनी के सदस्यों की मंजूरी के अधीन है।

ब्राउन यूनिवर्सिटी से स्नातक अनंत अंबानी भाई-बहनों में रिलायंस में कार्यकारी निदेशक के रूप में नियुक्त होने वाले पहले व्यक्ति हैं। अनंत को अगस्त, 2022 में कंपनी के ऊर्जा खंड का प्रमुख नियुक्त किया गया था। वह मार्च, 2020 से जियो प्लेटफॉर्म्स लि. के निदेशक मंडल (बोर्ड), मई 2022 से रिलायंस रिटेल वेंचर्स लि. के बोर्ड में और जून 2021 से रिलायंस न्यू एनर्जी लि. के साथ-साथ रिलायंस न्यू सोलर एनर्जी लि. के निदेशक मंडल में भी हैं। वह सितंबर से रिलायंस की परमार्थ इकाई रिलायंस फाउंडेशन के बोर्ड में भी हैं।

उल्लेखनीय है कि अंबानी ने अगस्त 2023 में अपने तीन बच्चों - जुड़वां ईशा और आकाश और अनंत को समूह के निदेशक मंडल में गैर-कार्यकारी निदेशकों के रूप में शामिल किया था। इसका मकसद अंतिम उत्तराधिकार योजना की तैयारी है। अंबानी के सबसे बड़े बेटे आकाश 2014 में इकाई में शामिल होने के बाद जून, 2022 से दूरसंचार इकाई, जियो इन्फोकॉम के चेयरमैन हैं। उनकी जुड़वां बहन ईशा कंपनी की खुदरा, ई-कॉमर्स और लक्जरी इकाइयों को चलाती हैं। अनंत नये ऊर्जा व्यवसाय को देखते हैं।

अंबानी के तीनों बच्चे जियो प्लेटफॉर्म्स के बोर्ड में हैं, जो रिलायंस की दूरसंचार और डिजिटल संपत्तियों और रिलायंस रिटेल को रखने वाली इकाई है।

इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बनाने वाली कंपनियों को प्रोत्साहन लेने को 'डिजायन टीम बनाने की जरूरत: वैष्णव

बिजनेस डेस्क: इलेक्ट्रॅानिक और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बनाने वाली कंपनियों को सरकार की प्रोत्साहन योजना का लाभ उठाने के लिए 'डिजायन टीम बनाने के साथ अपने काम में उच गुणवत्ता का स्तर हासिल करना होगा। वैष्णव ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय इसे औपचारिक मानदंड नहीं बनाएगा लेकिन इलेक्ट्रॉनिक कल-पुर्जों की विनिर्माण योजना (ईसीएमएस) के लिए आवेदनों को मंजूरी देने से पहले इन कारकों पर गौर जरूर करेगा।

उन्होंने कहा, ''मैं इस योजना में प्रत्येक भागीदार से एक डिजायन टीम बनाने का अनुरोध करता हूं। हमने इसे मंजूरी के औपचारिक मानदंड के रूप में शामिल नहीं किया है लेकिन यह मंजूरी के अनौपचारिक मानदंड की तरह होगा। मंत्री ने ईसीएमएस के लिए दिशानिर्देशों पर एक पोर्टल पेश करते कहा कि कुछ कंपनियों ने 5,000 इंजीनियरों की डिजायन टीम बनाई हैं। वैष्णव ने कहा, ''यदि आपके पास डिजायन टीम नहीं है और भले ही आप अपने सभी मापदंडों को पूरा कर रहे हों, तो हम आपको मंजूरी नहीं देंगे। डिजायन टीम गठित करनी ही होंगी।

उन्होंने विनिर्माताओं से अपने उत्पादों में उच गुणवत्ता हासिल करने के लिए भी कहा। वैष्णव ने कहा, ''मैं यह भी कहूंगा कि कृपया अपने हर काम में 'सिक्स सिग्मा गुणवत्ता हासिल करें। सिक्स सिग्मा से कम कुछ भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हम न केवल विनिर्माण मात्रा पर, बल्कि उत्पादित वस्तुओं गुणवत्ता को लेकर भी आपकी प्रगति का मूल्यांकन करेंगे। 'सिक्स सिग्मा से आशय गुणवत्ता का एक ऐसा स्तर हासिल करना है जो उपयुक्त हो। इसे त्रुटियों को कम कर, विभिन्नता को दूर कर और गुणवत्ता और दक्षता बढ़ाकर हासिल किया जा सकता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569